उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक -42)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 20 नवंबर, 2023

इन्दिरा गांधी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि | शमी के गांव को योगी सरकार ने दिया पांच करोड़ का तोहफा | टाइगर 3 का 7वें दिन ही औंधेमुंह गिरा कलेक्शन

न्यूज संक्षिप्त

मैच देखने इंडोर स्टेडियम पहुंचे सीएम भूपेश बघेल

क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। चाहे घर हो या मैदान आज पूरे शहर में बड़ी स्क्रीन में लोग मैच का लुत्फ उठा रहे हैं। इधर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी अपने आप को रोक नहीं पाए। सीएम बघेल मैच देखने इंडोर स्टेडियम पहुंचे हैं। बता दें कि इंडोर स्टेडियम में बड़ी स्क्रीन पर मैच दिखाया जा रहा है। जहां फैंस का जोश हाई पर मुख्यमंत्री बघेल के अलावा महापौर एजाज ढेबर, विधायक विकास उपाध्याय समेत अन्य नेता मौजूद है।

न्यायालय में महिला अधिवक्ता के साथ दरिंदगी

आगरा। ताजनगरी आगरा में आधी आबादी खौफजदा हैं। पिछले दिनों में महिलाओं के साथ लगातार बड़ी घटनाएं हो रही हैं। चाहे स्टे होम में गैंगरेप का मामला हो या रूफ टॉप पर छेड़खानी हो, नाबालिग के साथ बलात्कार या फिर युवती के साथ सिपाही के द्वारा बलात्कार की घटना को अंजाम देना हो, केवल 8 दिनों के अंतराल में एक के बाद एक बड़ी आपराधिक घटनाएं महिला सुरक्षा को लेकर उठाए गए तमाम योजनाओं और दावों को खोखला साबित करने को काफी हैं। ताजा मामला एक महिला अधिवक्ता से दीवानी परिसर मे बलात्कार के प्रयास का सामने आया हैं। महिला अधिवक्ता ने अपने ही सहकर्मी अधिवक्ता और उसके साथियो पर दीवानी परिसर में बलात्कार के प्रयास का आरोप लगाते हुए न्यू आगरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।पीड़ित महिला अधिवक्ता ने न्यू आगरा थाने में तहरीर दी।

6 थाना प्रभारी, 41 इंस्पेक्टर समेत 283 पुलिसकर्मियों कें तबादले

नोएडा। यूपी के गौतमबुद्ध नगर यानी नोएडा में 283 पुलिसकर्मियों के गैर जनपदीय तबादले किए गए हैं। इसमें 6 थाना प्रभारी, 41 इंस्पेक्टर, 136 सब इंस्पेक्टर और 130 हेड कांस्टेबल शामिल हैं। सभी लोगों के तबादले अलग-अलग जिलों में किए हैं। इन सभी पुलिस कर्मचारियों को 19 नवंबर को गौतमबुद्धनगर जिले से रिलीव किया जाना था, लेकिन छठ पर्व पर व्यवस?था न बिगड़े इसलिए रिलीविंग डेट दो दिन आगे बढ़ा दी गई है।

गौतमबुद्ध नगर में इतनी बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारियों के तबादले करने का आदेश लखनऊ मुख्यालय से जारी हुआ है।

भारत की शर्मनाक हार: ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार विश्व कप जीता

फाइनल में भारत को छह विकेट से हराया

अहमदाबाद । ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के फाइनल में भारत को हरा दिया है। उसने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार (19 नवंबर) को खिताबी मुकाबले को छह विकेट से जीत कर खिताब अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलिया छठी बार विश्व विजेता बना है। वहीं, भारत का तीसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। उसने टूर्नामेंट में लगातार 10 मैच जीते, लेकिन 11वें मुकाबले में टीम पिछड़ गई।ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम 50 ओवर में 240 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर मैच को जीत लिया। कंगारू टीम के लिए ट्रेविस हेड ने 141 रन की

मैज जिताऊ पारी खेली। मार्नश लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए। मिचेल मार्श 15, डेविड वॉर्नर सात, स्टीव स्मिथ चार रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन मैक्सवेल ने नाबाद दो रन बनाए।ऑस्ट्रेलिया छठी बार विश्व विजेता बना है। वहीं, भारत का तीसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। उसने टूर्नामेंट में लगातार 10 मैच जीते, लेकिन 11वें मुकाबले में टीम पिछड़ गई। भारत को दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है।

पिछली बार 2003 में रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली टीम ने हराया था।इससे पहले भारत के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 66 और विराट कोहली ने 54 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 47 और सूर्यकुमार यादव ने 18 रन

बनाए। कुलदीप यादव ने 10 रनों का योगदान दिया। इन पांच खिलाड़ियों के अलावा कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। रवींद्र जडेजा नौ, मोहम्मद शमी छह, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल चार-चार रन बनाकर आउट हुए। जसप्रीत बुमराह एक रन ही बना पाए।

मोहम्मद सिराज नौ रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को दो-दो सफलता मिली। ग्लेन मैक्सवेल और एडम जम्पा ने एक-एक विकेट लिए।

विश्व कप में पहली बार ऑलआउट हुई भारतीय टीम

भारत के लिए इस मैच में विराट कोहली और केएल राहुल ने चौथे विकेट के लिए 67 रन की सबसे बड़ी साझेदारी की। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। रोहित, कोहली और राहुल अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए।

सुरंग में भूस्खलन के खतरे के बीच तीसरे दिन शुरू हुई ड्रिलिंग

उत्तरकाशी ।उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में रविवार रात 10 बजे ऑगर मशीन से ड्रिलिंग का काम फिर शुरू हो गया। भूस्खलन का खतरा कम करने के लिए शॉटक्रिट मशीन से स्प्रे किया गया है। बैकअप प्लान के तहत सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए अस्थायी सड़क बनाने का काम भी अंतिम चरण में है।राहत एवं बचाव अभियान के प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल ने बताया कि ड्रिलिंग का काम बंद होने के तीसरे दिन रविवार को रात में फिर शुरू हो गया। वहीं, अंदर फंसे मजदूरों को खाने व ऑक्सीजन की सप्लाई के पाइपों को कंक्रीट ह्यूम पाइप से कवर कर दिया गया है। भूस्खलन होता भी है, तो इससे खाने के सामान और ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित नहीं होगी। उधर, सुरंग के दाएं और बाएं ओर से भी क्षैतिज ड्रिलिंग के लिए भूभौतिकी व भू-वैज्ञानिकों का सर्वे पूरा हो गया है। सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए बन रही 1200 मीटर लंबी सड़क का 900 मीटर हिस्सा बन चुका है। सूत्रों के अनुसार इस काम का जिम्मा लोनिवि, बीआरओ को सौंपा है।

विश्व कप फाइनल देखने पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री अहमदाबाद पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चल रहे आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फाइनल देखने के लिए अहमदाबाद पहुंचे।पीएम मोदी और मार्ल्स के देर शाम स्टेडियम पहुंचने की उम्मीद है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के भारतीय जनता पार्टी प्रमुख सीआर पाटिल ने शाम को हवाई अड्डे पहुंचने पर मोदी का स्वागत किया।आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार कुछ देर बाद मार्ल्स भी हवाई अड्डे पहुंचे जहां मुख्यमंत्री पटेल ने उनका स्वागत किया। भारतीय टीम फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन पर सिमट गई।

अमेरिकी नागरिकों से ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 24 गिरफ्तार, लग्जरी गाड़ियां, विदेशी मुद्रा बरामद

नोएडा। नोएडा एसटीएफ और बिसरख पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में अमेरिकी नागरिकों से ठगी करने वाले इंटरनेशनल कॉल सेंटर का खुलासा हुआ है। इसमें 24 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इनके पास से मर्सडीज़ समेत 8 लग्ज़री कारें, 23 लैपटॉप, 32 मोबाइल, 60 प्रिंट आउट, कैश 4 लाख, दुबई, सिंगापुर, थाईलैंड समेत करोड़ों रुपयों की विदेशी मुद्रा भी बरामद हुई है। ये गैंग अलग अलग देशों में एजंटों से डाटा लेकर ठगी करते थे।

इस गैंग ने ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख इलाके में महागुन मायवॉड्स सोसाइटी में अपना कॉल सेंटर बना रखा था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार को लगभग 2 बजे सोसायटी के टावर नंबर 7 के फ्लैट नंबर 14106, थाना बिसरख में एसटीएफ और लोकल पुलिस ने रेड कर इस इंटरनेशनल कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है।पुलिस को अमेरिकी नागरिकों से लगातार शिकायत मिल रही थी कि उनके साथ धोखाधड़ी की जा रही है, जिस पर एसटीएफ में भी कार्रवाई शुरू कर दी थी।एसटीएफ की टीम को विश?वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ कि गैंग के सदस्य वरुण, जो अकुर गुप्ता का पार्टनर है, थाना बिसरख क्षेत्र में स्थित महागुन मायवुड में कॉल सेंटर चलाकर अमेरिकन नागरिकों के साथ धोखाधड़ी कर रहा है।पकड़े गए गैंग के सरगना अंकुर गुप्ता ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह एमबीए पास है। अंकुर गुप्ता वर्ष 2004 से लेकर 2011 के बीच विभिन्न कॉल सेंटरों में विभिन्न पदों पर काम कर चुका है। वर्ष 2011-12 में उसने दिल्ली के करोलबाग से इम्पोर्टेड मोबाइल फोन खरीदकर दिल्ली, एनसीआर के मार्केट में बेचने का काम शुरू किया।

गाजा के जिस हिस्से में आम लोगों को भेजा, इजराइल ने वहीं दाग दिए रॉकेट

गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में हवाई हमले अब भी किए जा रहे हैं। गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में हवाई हमले किए गए हैं।

यह हमले उस इलाके में हुए हैं जहां फिलिस्तीनी नागरिकों को रखा गया है। हमले के बाद कई फिलिस्तीन नागरिकों की मौत हो गई है। इन सभी नागरिकों ने स्कूलों में शरण ली हुई थी।गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में हवाई हमले अब भी किए जा रहे हैं। गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में हवाई हमले किए गए हैं। यह हमले उस इलाके में हुए हैं जहां फिलिस्तीनी नागरिकों को रखा गया है। हमले के बाद कई फिलिस्तीन नागरिकों की मौत हो गई है। इन सभी नागरिकों ने स्कूलों में शरण ली हुई थी।

ग्राउंड ऑपरेशन के लिए इसराइल का मुख्य फोकस गाजा शहर के अल शिफा अस्पताल पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व में एक टीम ने शनिवार को शिफा अस्पताल का दौरा भी किया है। इस टीम ने अस्पताल और आसपास के इलाकों में हुई गोलाबारी को देखते हुए इसे डेथ जोन करार दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि बचे हुए मरीज और कर्मचारियों को भी तत्काल निकालने की योजना पर काम चल रहा है। मरीजों, कर्मचारियों और विस्थापित लोगों ने शनिवार को गाजा के सबसे बड़े अस्पताल को छोड़ दिया जिससे वहां मौजूद बेहद गंभीर रूप से बीमार लोगों की देखभाल के लिये बेहद सीमित संख्या में ही स्वास्थ्यकर्मी रह गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अस्पताल पर अब इजराइली सुरक्षा बलों का नियंत्रण हैं। गाजा शहर में शिफा अस्पताल से पलायन उसी दिन हुआ जब गाजा पट्टी में इंटरनेट और फोन सेवा बहाल की गई। दूरसंचार सेवाओं के ठप होने की वजह से संयुक्त राष्ट्र महत्वपूर्ण मानवीय सहायता वितरण बंद करने के लिए मजबूर हो गया था।

संपादकीय

आत्ममंथन का वक्त

वाकई आपदाएं मानवीय त्रासदी की वजह तो बनती हैं, साथ ही समाज व सत्ताधीशों को सबक भी देती हैं। निस्संदेह, उत्तराखंड के उत्तरकाशी में ऑलवेदर रोड के लिये निर्माणाधीन सुरंग के धंसने से फंसे चालीस श्रमिकों ने देश की धड़कने थाम दी हैं। अच्छी बात है कि फिलहाल वे सुरक्षित हैं और पूरा देश उनके सुरक्षित बाहर आने की कामना कर रहा है। लेकिन इस दुर्घटना ने इंसान की सीमाओं और निर्माण कार्य में लगी एजेंसियों की खामियों को भी बताया है। जिन्होंने सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के वैकल्पिक उपाय पहले से ही क्रियान्वित नहीं किये। सवाल यह है कि अब देशी मशीनों की विफलता के बाद अमेरिकी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग करके जिस विशाल पाइप को श्रमिकों के जीवन रक्षा के लिये डाला जा रहा है, क्या वैसी वैकल्पिक व्यवस्था सुरंग निर्माण में पहले से नहीं की जानी चाहिए थी? उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अब कह रहे हैं कि राज्य में निर्माणाधीन सभी सुरंगों की समीक्षा होगी। सवाल यह है कि हम आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति से कब मुक्त होंगे? क्यों नहीं सामान्य दिनों में ऐसे संवेदनशील निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाती? क्या यह दुर्घटना निर्माण कार्य में लगी कंपनी की कार्यकुशलता पर प्रश्नचिन्ह नहीं है? सवाल यह भी कि जानते-बूझते हिमालयी पर्वत शृंखला में अपेक्षाकृत नये व संवेदनशील उत्तराखंड के पहाड़ों में भारी-भरकम विकास परियोजनाओं का निर्माण क्या तार्किक है? निश्चित रूप से पहाड़ों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर बड़ी विकास परियोजनाओं को अनुमति देनी चाहिए। वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी के जख्म अभी भरे नहीं हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से मौसम के मिजाज में आए बदलाव के चलते पहाड़ों में कई तरह के नये संकट पैदा हो रहे हैं। कम समय में तेज बारिश होने से भू-स्खलन की घटनाओं में तेजी आई है। जो कालांतर बड़े संकटों का कारण बन जाते हैं। नीति नियंताओं को बड़ी विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाने से पहले इन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।पुरानी कहावत है कि जब पहाड़ पर चढ़ना होता है तो हमें झुककर चलना होता है। सीधे खड़े होकर चलेंगे तो खाई में गिर जाएंगे। इसका अभिप्राय यह है कि पहाड़ में पारिस्थितिकीय संतुलन का भी ध्यान रखें। मैदान में होने वाले निर्माण कार्य का फार्मूला पहाड़ी इलाकों में नहीं चल सकता। फोरलेन रोड के फार्मूले का दंश पिछले दिनों हिमाचल ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन के रूप में देखा। सड़कें चौड़ी करने के लिये पहाड़ का निचला हिस्सा काटने से ऊपर का हिस्सा संवेदनशील होकर भू-स्खलन का कारण बनता है। उत्तराखंड का इतिहास रहा है कि ऐसी तमाम बड़ी विकास परियोजनाओं के खिलाफ लंबे समय तक जनांदोलन हुए हैं। टिहरी बांध में प्राचीन शहर टिहरी की जलसमाधि रोकने को लंबा आंदोलन चला। चिपको आंदोलन वनों को बचाने के लिये लंबे समय तक चला। जिसमें पेड़ों का कटान रोकने के लिये महिलाएं अपनी जान की बाजी लगाकर पेड़ों से चिपक गई। विख्यात पर्यावरणविद् सुंदरलाल बहुगुणा के लंबे अनशन पहाड़ों के पर्यावरण संतुलन की उत्कट अभिलाषा को ही दर्शाते हैं।

स्थानीय नीतियों में बदलाव रोकेगा पर्यावरणीय आपदाए

शिमला में भवन निर्माण के लिए मनमर्जी से हरित-पट्टी नियमों में ढील देना आपदा को न्योते का एक अन्य नुस्खा है। हरित पट्टी की निशानदेही प्रक्रिया अपने आप में वक्री है। कुछ ऐसे इलाके हैं, जिन्हें अकारण हरित पट्टी में डाला हुआ है तो कहीं पर जंगल का बड़ा हिस्सा मुक्त कर रखा है। शिमला में भूमि-उपयोग की परिभाषा की आमूल-चूल समीक्षा होनी चाहिए, जिसका आधार विशुद्ध रूप से भू-संरचना पर हो और इसके मुताबिक अलग-अलग मंडल बनाए जाएं।

हाल ही में मनाए गए 'अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम घटौती दिवस-2023' का मुख्य विषय था- प्रतिरोधक भविष्य बनाने में असमानता से लड़ाई। आपदा जोखिम घटाने को लेकर बनी रूपरेखा मौसमीय बदलावों पर पेरिस संधि की अनुपूरक है। सतत्तापूर्ण विकास ध्येय की पूर्ति में यह दोनों रूपरेखाएं आपस में जुड़ी हैं। इस साल अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आपदा और असमानता के बीच संबंध की पड़ताल की गई।पर्यावरण बदलावों पर अंतर-सरकारी मंच ने पर्यावरणीय आपदा के लिहाज से सबसे जोखिमज़दा माने जाने वाले भारतीय उपमहाद्वीप के दो मुख्य भागों पर अधिक ध्यान दिया यानी भारतीय हिमालयी पर्वतमाला और तटीय भारत। मानसून के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम में हुई भारी तबाही अंतर-सरकारी मंच द्वारा दी गई चेतावनियों का संकेत भर है। ईमानदारी से देखें तो भावी आपदाओं के लिए हमारी तैयारी अभी भी नहीं है। सड़क-चौड़ाकरण और चार-लेन राजमार्ग बनाने की अंधी दौड़, खासकर भारतीय हिमालयी क्षेत्र में, और इसके लिए पहाड़ियों की एकदम खड़ी कटाई करने ने दिखा दिया है कि यह राह कितनी कष्टकारी है।

शिमला में भवन निर्माण के लिए मनमर्जी से हरित-पट्टी नियमों में ढील देना आपदा को न्योते का एक अन्य नुस्खा है। हरित पट्टी की निशानदेही प्रक्रिया अपने आप में वक्री है। कुछ ऐसे इलाके हैं, जिन्हें अकारण हरित पट्टी में डाला हुआ है तो कहीं पर जंगल का बड़ा हिस्सा मुक्त कर रखा है। शिमला में भूमि-उपयोग की परिभाषा की आमूल-चूल समीक्षा होनी चाहिए, जिसका आधार विशुद्ध रूप से भू-संरचना पर हो और इसके मुताबिक अलग-अलग मंडल बनाए जाएं। वैसे भी शिमला विकास योजना मामला पहले से सर्वोच्च न्यायलय में लंबित है और हरित पट्टी में निर्माण की इजाजत देते जाना न्यायशास्त्र के मूल तत्व के विरुद्ध है। इतने महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय देने से पहले हिमालयी क्षेत्र का मंडल के आधार पर बृहद वर्गीकरण किए जाने की जरूरत है। यह तरीका नाजुकता और सकल आपदा जोखिम को कम करने में सहायक होगा।

विगत में, आपदा जोखिम कम करने के नाम पर मुख्य प्रयास संपत्ति और मानव जीवन बचाव कार्यों पर केंद्रित रहता था। पर्यावरणीय क्षति से बनी आपदाओं का प्रभाव घटाने को राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय निकाय स्तर पर आपसी तालमेल बनाकर प्रशासन की अनुकूलक क्षमता में बढ़ोतरी सुनिश्चित की जा सकती है।मनुष्य की हरकतों से पर्यावरणीय बदलाव आगे भी बनेंगे और हम सबको प्रभावित करेंगे। इस किस्म की स्थिति से बचाव का मुख्य उपाय है क्रियाकलापों में बदलाव लाना। हमें खुद से पूछना चाहिए 'क्या हमारा अपना, हमारे संस्थानों, सरकारी निकायों, निजी पूंजी निवेशकों, पर्यावरण को बिगाड़ने वाले आधारभूत ढांचे में बदलाव लाने के प्रयास पर्याप्त हैं और क्या यह पर्यावरण-जनित आपदा निरोधक रणनीति के अनुरूप हैं?' दुर्भाग्यवश उत्तर है, नहीं।आपदा निरोधक तंत्र समूह की रिपोर्ट बताती है कि पर्यावरणजनित आपदाओं से वैश्विक नुकसान औसतन 850 बिलियन डॉलर हुआ है, जो कि 2021-22 में सकल वैश्विक घरेलू उत्पाद का लगभग 14 फीसदी है। रोचक यह कि कुल संपत्ति का लगभग 67 प्रतिशत हिस्सा विकसित मुल्कों में केंद्रित है और मध्य आय वाले देशों में यह 25 फीसदी तो कम आय राष्ट्रों में महज 7 प्रतिशत है। आपदाजनित नुकसान सबसे ज्यादा विकासशील और न्यून-विकसित मुल्कों को झेलना पड़ रहा है। क्यों? जाहिर है, पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध के देश बेहतर सुसज्जित हैं और उन्होंने पर्यावरण सुधार उपायों में भारी निवेश किया है। विकासशील दुनिया की सापेक्ष जोखिम दर बहुत अधिक है, विकसित राष्ट्रों में वार्षिक हानि का औसत 0.1 प्रतिशत है तो विकासशील जगत में 0.4 फीसदी।

राष्ट्रों के लिए सतत विकास ध्येय पूर्ति और आपदा प्रतिरोधी रणनीति बनाने हेतु निवेश के लिए 9 क्षेत्रों की शिनाख्त की गई है। इसके लिए हर साल विकसित देशों से 9.3 ट्रिलियन डॉलर और विकासशील देशों से 2.9 ट्रिलियन डॉलर की दरकार है। लेकिन यह धन आएगा कहां से? इसका इंतजाम करने के लिए वित्तीय तंत्र बनाने पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्विचार होना चाहिए।

तंत्र विकसित करते वक्त एक अन्य महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु है, सबसे अधिक आपदा-जोखिम क्षेत्र की शिनाख्त करना। अनुमानों के अनुसार आधारभूत ढांचे को होने वाले सकल वार्षिक नुकसान में औसतन 30 फीसदी भूचाल जनित और 70 प्रतिशत हानि पर्यावरणीय संबंधित आपादाओं से है। इसलिए, पर्यावरण संबंधित आपदाएं स्थिति को आगे और बदतर कर देंगी। अनुमानों के मुताबिक लगभग 80 फीसदी जोखिम बिजली, परिवहन और टेलीकॉम क्षेत्र को होगा, जिसकी परिसंपत्तियां बनाने में सकल खर्च का 15-30 प्रतिशत खपता है और लगभग 70-85 फीसदी परिचालन, मरम्मत और प्रबंधन में। भावी आधारभूत ढांचा पर्यावरणीय क्षति रोधी और अनुकूलन युक्त होना चाहिए।

रूपरेखा और पर्यावरणीय नुकसान से पैदा हुई मुसीबतें रोकने वाली योजनाओं का प्रारूप तय करते वक्त पुन: मूल्यांकन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। पहाड़ों में सीमेंट, सरिया-युक्त कंक्रीट या स्टील आधारित भवनों का अबाध निर्माण टिकाऊ निर्माण सामग्री के सोपान पर खरा नहीं उतरता।

आपदा की संभावना घटाने में पहला कदम है जोखिम आकलन। इसमें लोगों की सक्रिय भागीदारी और क्षमता-निर्माण प्रयास समांतर होने चाहिए।

यह क्षमताएं प्रति-क्रियावादी न होकर पूर्व-सक्रिय रहे। सुरक्षित, भरोसेमंद और पर्यावरणीय नुकसान रोधी आधारभूत ढांचे पर ध्यान केंद्रित करके बस्तियां क्यों नहीं बनाई जा सकती? लेकिन यह करने के लिए मौजूदा प्रशासनिक तंत्र को खुद को बदलना पड़ेगा। खतरे वाले मुद्दों पर पूर्व-चेतावनी देने में अग्रणी लोगों-समुदायों-सिविल सोसायटी को और सशक्त बनाना होगा। उन्हें नव-प्रशासनिक तंत्र का हिस्सा बनाना चाहिए। ग्रामीण एवं शहरी प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर संविधान में किए गए 73वें और 74वें संशोधन को अक्षरश: लागू किया जाए। वकास की रूपरेखा में मुख्य कदम यह हो—बाढ़ वहनीय मैदानी इलाके में किसी प्रकार का आधारभूत ढांचा निर्माण वर्जित, जल-प्रवाहों की नक्शादेही, नदी के एकदम साथ लगते क्षेत्र, खड्डों, तटीय

जंगली इलाके और उप-नदियों के किनारों पर निर्माण कार्य पर प्रतिबंध, भूस्खलन वाले क्षेत्र की पहचान करके वहां गतिविधियों पर रोक, पूर्व-चेतावनी तंत्र को सुदृढ़ बनाना, आपदा में लोगों को शीघ्रातिशीघ्र निकालना, सुनिश्चित करना। पर्यावरण-जनित आपदाएं आगे भी आती रहेंगी। चुनना हमें है।क्या खुद में बदलाव लाकर अपना भविष्य सुरक्षित करें या ढीठ बने रहकर फनाह हो जाएं।

ऑनलाइन उपस्थिति के लिए बदला जाए प्राथमिक स्कूलों का समय..!

पंकज कुमार मिश्रा, मिडिया विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

सुबह 10 से 3 के समय सारिणी का दूसरा पहलु यह कि चालीस से पचास किमी दूर से आने वाले शिक्षक समय से विद्यालय पहुंचे सकेगे और बिना किसी मानसिक तनाव के सुचारु रूप से पठन पाठन करवा सकते है। सरकार को सुझाए गए समय सारिणी को गर्मी माह छोड़कर बाकी अन्य माहो हेतु लागू करने पर विचार करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने और शिक्षको के कार्यकुशलता पर निगरानी के लिए परिषदीय विद्यालयों में ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था की जा रही जबकि यह व्यवस्था एकीकृत समय सारिणी के लिए ही न्यायोचित है। अर्थात स्कूल का समय सारिणी एक आदर्श समय सारिणी हो जो कि 15 वर्ष पूर्व कि भांति सुबह 10 बजे से सायंकाळ 3बजे तक आदर्श मानकों के अनुरूप हो। अध्ययन और रिपोर्ट यह कहती है कि बच्चों का अधिगम विद्यालयों में पांच घंटे से अधिक नहीं रखा जाना चाहिए अन्यथा कि स्थिति में उनमे अरुचि पैदा होती है। सुबह 10 से 3 के समय सारिणी का दूसरा पहलु यह कि चालीस से पचास किमी दूर से आने वाले शिक्षक समय से विद्यालय पहुंचे सकेगे और बिना किसी मानसिक तनाव के सुचारु रूप से पठन पाठन करवा सकते है। सरकार को सुझाए गए समय सारिणी को गर्मी माह छोड़कर बाकी अन्य माहो हेतु लागू करने पर विचार करना चाहिए। साथ-साथ शिक्षको के रोजाना विद्यालय में उपस्थिती को लेकर आए दिन जो विवाद होता है उसकी सबसे बड़ी वजह वर्तमान समय सारिणी है जो पठन पाठन के दृष्टि से अनुकूल नहीं लगती। ऑनलाइन उपस्थिति कि नई व्यवस्था लागू की जा रही है पर इस व्यवस्था के तहत अब प्राइमरी विभाग में कार्यरत टीचरों को रोजाना अपनी अटेंडेंस लगानी पड़ेगी पर चुनौती वही दूर से आने वाले शिक्षक और शिक्षिकाओं के लिए रहेगी। इसके लिए गाइडलाइन जारी की गई है। साथ ही टीचरों को सूचित करने के लिए उनके मोबाइल पर एक संदेश भी आया है कि ऑनलाइन उपस्थिति कि यह व्यवस्था 20 नवंबर से लागू होगी। स्कूल वर्ष को शरद ऋतु, वसंत और ग्रीष्म ऋतु में विभाजित किया गया है। नई कक्षा के साथ पहले कुछ हफ्तों के दौरान तनाव के क्षण होते है , लेकिन यह सामान्य है और पूरे वर्ष में हुई प्रगति आश्चर्यचकित करना कभी नहीं छोड़ती। न केवल शैक्षणिक क्षमता के संदर्भ में, बल्कि बच्चों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी, लचीलेपन और परिपक्वता के संदर्भ में भी सुबह 10 से 3 का समय अनुकूल है । स्कूल वर्ष के दौरान समय के परिवर्तन को लेकर आप जितना अपने बाल नोचते हैं, आपके पास हमेशा दुखद और तनाव पूर्ण यादों के अलावा कुछ नहीं होता। जो बात मैं अक्सर सुनता हूं वह यह है, 'पूरे वर्ष में इतनी कम छुट्टियाँ होना बहुत अच्छा नहीं । हालाँकि, शिक्षको के समय का एक बड़ा हिस्सा मूल्यांकन करने, प्रशासनिक कार्यों को पूरा करने, योजना बनाने, संसाधन बनाने, प्रगति पर नज़र रखने और जोखिम मूल्यांकन फॉर्म लिखने में व्यतीत होता है। गर्मी की छुट्टियां आराम करने का एक शानदार मौका थी जिन्हे कम करके भी एक तरह से अतिरिक्त दबाव बनाया गया है , हालांकि नया सत्र और आपकी नई कक्षा आपके विचारों से कभी दूर नहीं होती है। आखिरकार, बैठने की योजनाएँ स्वयं लिखने वाली नहीं हैं और आपको वास्तव में उन सभी कागजी कार्रवाई पर ध्यान देने की ज़रूरत है जो आपको सौंपी गई हैं। मिडिया रिपोर्ट्स और अखबारों के अनुसार परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के लिये 209063 टैबलेट्स उपलब्ध कराये जा रहे हैं। विभाग की ओर से टेबलेट उपलब्ध कराये जाने तक पंजिका में समस्त अध्यापकों/कार्मिकों द्वारा प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज कराए गए अपने मोबाइल नंबर से अपनी उपस्थिति रोजाना दर्ज करानी होगी।जिसके बाद इसे प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थिति प्रमाणित की जायेगी। इसके साथ ही विद्यालयों में अध्यापकों के प्रवेश और प्रस्थान के समय के बारे में भी जानकारी बदलती रही है । विभाग की ओर से 01 अप्रैल से 30 सितम्बर तक अध्यापकों को स्कूल में सुबह 7:45 से 8:00 बजे तक का रहा और विद्यालय से जाने का समय दोपहर 2:15 से 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया । वहीं 01 अक्टूबर से 31 मार्च के बीच आने का समय सुबह 8:45 से 9:00 बजे तक और जाने का समय दोपहर 3:15 से 3:30 बजे तक निर्धारित था । मोबाइल/टैबलेट को जियो फेंसिंग के माध्यम से पहचाना जायेगा और पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज करते समय अध्यापक/प्रधानाध्यापक को विद्यालय परिसर में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा अब ऐसे में दूर से आने वाले शिक्षक जो बसों से यात्रा करते है उनके लिए यह तनावपूर्ण हो जायेगा। विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षकों और स्टॉफ की उपस्थिति का ऑनलाइन प्रमाणीकरण प्रधानाध्यापक द्वारा किया जायेगा। फिलहाल इस व्यवस्था पर अलग-अलग शिक्षकों ने एबीपी लाइव से बातचीत में इस व्यवस्था को लेकर खुलकर बात की है. कई शिक्षकों ने इस व्यवस्था को अच्छा बताया है. उनका कहना है कि अमूमन सारे शिक्षक रोजाना उपस्थित रहते हैं और अपना काम सही ढंग से करते हैं, पर कुछ लोग जो सही समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते उनके न जाने से कहीं ना कहीं शिक्षकों की बदनामी होती है. वहीं कुछ शिक्षकों ने यह भी कहा कि पौने नौ से नौ के बीच का समय देने में कई बार अगर शिक्षक एक-दो मिनट आगे पीछे होता है ।

छठ महापर्व के अवसर पर रिलीज होगी भोजपुरी फिल्म 'विवाह 3'

यशी फिल्म्स और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'विवाह 3'20 नवम्बर को छठ महापर्व के अवसर पर पूरे बिहार में प्रदर्शित होगी। वहीं, 24 नवम्बर को यह फिल्म सम्पूर्ण भारत में रिलीज होगी। इस फिल्म का पार्ट 1 और पार्ट 2 सुपर डुपर हिट रहा है, जिसके बाद अब सबों की नज़र इसके तीसरे संस्करण पर है। रजनीश मिश्रा द्वारा निर्देशित इस भोजपुरी फिल्म के छायाकार महेन्द्र शेरला, एक्शन डायरेक्टर एस मल्हेश, गीतकार रजनीश मिश्रा, प्रफुल तिवारी और अभिजीत मिश्रा, संगीतकार रजनीश मिश्रा, कोरियोग्राफर मोना शेख, मनोज गुप्ता व लक्की विश्वकर्मा, पीआरओ रंजन सिन्हा और सह निर्माता डॉ संदीप व सुशांत उज्जवल हैं। भोजपुरी फिल्म विवाह 3 में प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे के साथ संयुक्ता राय, अवधेश मिश्रा, संजय पांडेय, रोहित सिंह मटरू, सुजान सिंह, अनिता रावत, मनोज द्विवेदी, रजनीश झा, निशा सिंह, अविनाश तिवारी, स्पेशल गाना यामिनी सिंह, अजय कुमार निरहुआ और बबलू खान प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

मीडिया की स्वतंत्रता जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला है

गोंदिया ।वैश्विक स्तरपर आज डिजिटाइजेशन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित प्रौद्योगिकी के बढ़ते नए-नए आयाम के बीच एक ओर जहां प्रिंट मीडिया के लिए चुनौतियां अति तेजी के साथ है बढ़कर उन्हें विलुप्तता की ओर धकेल जा रहा है तो वहीं इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के लिए भी चुनौतियां खड़ी हो गई है। जहां एक और फेक न्यूज़ का प्रचलन बढ़ते हुए कठिनाइयां एवं पत्रकारों, संपादकों सहित मीडिया से जुड़े हर व्यक्ति के लिए परेशानियां खड़ी कर रही है, तो दूसरी ओर बढ़ती ग्राउंड रिपोर्टिंग से पारदर्शिता का स्तर ऊंचाइयां छू रहा है जिसमें पत्रकारों से लेकर मीडिया हाउसेस के मालिकों तक और शासकीय स्तर पर चपरासी से लेकर मंत्री तक तथा राजनीतिक स्तरपर कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री तक हर व्यक्ति आज मीडिया के घेरे में आ गया है, चाहे फिर प्रिंट इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया हो जिससे मीडिया हाउसों की जवाबदारियां फेक न्यूज़ के चलते बढ़ गई है, क्योंकि लोकतंत्र की आधारशिला और चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। चूंकि आज 16 नवंबर 2023 को अनेक स्थानों सहित दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय प्रेस दिवस बड़ी संजीदगी के साथ मनाया गया है इसलिए आज हम मीडिया पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे मीडिया के उच्चतम मानकों को बनाए रखनें तथ्यों विश्वसनीय स्रोतों, सत्यापन और संपादकीय स्वतंत्रता को बनाए रखना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम भारत में निर्भीक और स्वतंत्र जिम्मेदार पत्रकारिता की करें तो, इसके मुख्य कार्य लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा करना, समाज की गतिविधियों का आकलन करना, जनता की तकलीफों को शासन तक पहुंचाना, शासकीय, निष्क्रियता, भ्रष्टाचार, असहिष्णुता, गैर जिम्मेदारी को ऊजगार कर जनता के सामने रखना ताकि ऐसे शासकीय अधिकारियों, राजनेताओं को जनता सबक सिखाएं और जनता जनार्दन ही शासन व सत्ता की मालिक है ऐसा एहसास आए, इसलिए ही संपूर्ण भारत में दिनांक 16 नवंबर 2023 को राष्ट्रीय पत्रकारितादिवस बड़ीसंजीदगी के साथ मनाया गया।साथियों बात अगर हम 16 नवंबर 2023 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में मनाए गए राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2023 के उद्घाटन सत्र में माननीय उपराष्ट्रपति के संबोधन की करें तो, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मीडिया को राजनीति का हिस्सा या हितधारक नहीं होना चाहिए, मीडिया को लोकतंत्र की ताकत होना चाहिए, कमजोरी नहीं। मीडिया को राजनीतिक भागीदारी से बचना चाहिए ताकि प्रगतिशील मीडिया हमारे लोकतंत्र में सच्चाई और जवाब देही का प्रतीक बना रहे।उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि फेक न्यूज़ शब्द जितना आज सुना जा रहा है उतना इससे पहले कभी नहीं सुना। मीडिया की कम होती विश्वसनीयता को सबसे बड़ी चुनौती बताया और सोशल मिडिया का भ्रामक खबरें फैलाने के उपयोग पर चिंता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि भारत के उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस, 2023 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि मीडिया का नैतिक कर्तव्य है कि वह सच बताए। उन्होंने कहा कि मीडिया से जुड़े हर व्यक्ति की यह जिम्मेदारी है कि वह समाज को सच बताए चाहे वह पत्रकार हो, अखबारों से जुड़ा हो या संचार माध्यमों से जुड़े लोग हों। उन्होंने कहा कि अविश्वसनीय और गलत खबरों ने समाज में मीडिया के विश्वास को कम किया है। आगे कहा कि हमें बदलते हुए समय के साथ बदलना होगा और अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी अपनाना होगा लेकिन इसके साथ ही उसके दुरुपयोग से भी अपना बचाव करना होगा।उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया संगठनों को पत्रकारिता की नैतिकता निष्पक्ष रिपोर्टिंग और तत्वों को जानने के जनता के अधिकार के प्रति अटूट समर्पण और अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए निष्पक्ष पत्रकारिता की वचनबद्धता को निभाना चाहिए ताकि जनता को सच का पता चल सके। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जिक्र करते हुए कहा कि मीडिया तकनीकी परिवर्तनो से और उनसे जुड़ी चुनौतियों से निपटने में हमेशा सक्षम रहा है, हाल की तकनीकी प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जीपीटी जैसे नवाचारों ने नई चुनौतियां पेश की हैं,इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना होगा।उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया सामायिक और बहुत ही महत्वपूर्ण है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने हमारे सूचना और मनोरंजन के तौर तरीकों को बदल दिया है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बनता चला जा रहा है। लोकतंत्र में मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया सूचना प्रदाता के साथ-साथ लोकतंत्र की आधारशिला रहा है और चौथे स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका अदा करता रहा है। मीडिया ने सच के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका अदा की है, मीडिया बेजुबानों की आवाज उठाने के लिए सदैव तत्पर रहा है और सत्ता में बैठे लोगों का निगरानी करता रहा है।उन्होंने कहा आज सूचना की भरमार है और ऐसे में पत्रकार और मीडिया घराने ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखें, तथ्यों और विश्वसनीय स्रोतों तथा सत्यापन और संपादकीय स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए आज यह पहले से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने मीडिया में गलत सूचना के प्रसार, डीप फेक, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और समाज में अराजकता और अस्थिरता पैदा करने जैसी चुनौतियों से निपटने पर ज़ोर दिया।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

सर्जन नीरज कुमार सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट को यूपी के व्यापारी करेंगे सम्मानित

कानपुर के सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजी सर्जन डॉक्टर नीरज कुमार द्वारा की गई पहल की सोशल मीडिया में खास चर्चा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। डॉक्टर्स को धरती का भगवान कहा जाता है लेकिन एक ऐसे डॉक्टर चर्चा में है जो अपने द्वारा ठीक किए हुए मरीजों का श्रेय मरीजों की इच्छा शक्ति व ईश्वर को देते हैंऔर हो भी क्यों ना धरती के भगवान द्वारा जिन मरीजों को इलाज करते हुए, ऑपरेशन कर ठीक किया जाता है उन्हें सुंदरकांड हनुमान चालीसा श्रीमद् भागवत गीता रामायण की धार्मिक किताब पढ़ने को भेंट करते हैं, यह अनूठी सराहनीय चर्चित पहल हृदय रोग संस्थान कानपुर के सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजी सर्जन डॉक्टर नीरज कुमार द्वारा की गई है जो आज सोशल मीडिया में अपनी खास चर्चा में है,

डॉ नीरज कुमार ने बताया धार्मिक पवित्र किताबों के पढ़ने से पेशेंट मानसिक रूप से मजबूत होते हैं और इच्छा शक्ति तीव्र होती है, डॉ नीरज ने बताया 1 साल से चला रहे हैं ऑपरेशन के लिए भर्ती होने व छुट्टी होने तक मरीजों द्वारा पवित्र धार्मिक ग्रंथ पढ़ने से एक उनमें अलग प्रसन्नता और खुशी महसूस होती है जो मरीज के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक है हृदय रोग का इलाज हो या अन्य बीमारी ट्रीटमेंट,

अक्सर देखा जाता है बीमारी का पता चलने के बाद पेशेंट अपने ट्रीटमेंट व्यापार व परिवार को लेकर मानसिक रूप से परेशान हो जाता है ऐसी स्थितियों में धार्मिक पुस्तकें इम्यूनिटी बूस्टर का कार्य करती हैं जिसका पॉजिटिव असर भी मरीज की सेहत पर पड़ता है,

प्रोफेसर डॉ नीरज कुमार की सरायनीय पहल आज हर किसी की जुबान पर है उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री संत मिश्रा ने कहा प्रोफेसर डॉ नीरज कुमार की इस पहल की जितनी तारीफ की जाए वह कम है डॉ नीरज कुमार द्वारा अब तक अनगिनत मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिया गया,,

कानपुर दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री अभिषेक पांडे मोनू ने कहा धरती के भगवान प्रो डॉ नीरज ने यह साबित करने का प्रयास किया है मरीज को वह स्वास्थ् नहीं कर रहे वह ईश्वर के दूत के रूप में काम कर रहे, ऐसी कर्मयोगी डॉक्टर का सम्मान सर्वोपरि है, रोटरी क्लब और राधे राधे रसोई की टीम गौरव तिवारी , दीपक अग्रवाल,राजीव अग्रवाल सुशील चक आदि द्वारा कार्डियोलॉजी सर्जन डॉ नीरज कुमार को सम्मानित किया जाएगा, तथा कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी प्रदीप गुप्ता, विराट गुप्ता, कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर नीरज कुमार को सम्मानित करने की घोषणा की

परेशान महिला पीड़िता ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र दो सौ वर्ग जमीन पीड़िता निर्मला पाल पत्नी समर पाल निवासी 83/22 कल्याणपुर द्वारा पूर्व जमीन मालिक अनिल कुमार तिवारी पुत्र करुणा शंकर तिवारी ग्राम फराहरन तहसील छिबरामऊ जिला कन्नौज से 18 मई 2015 को ली गई थी। जिसका बही नम्बर 1 जिल्द संख्या 8929 प्रष्ठ संख्या 2970 क्रमांक 4116 है। 23-अक्टूबर-2023 को पीड़िता अपने प्लाट पर नींव खुदवाने के लिए पहुचीं तो स्थानीय निवासी महिला सुनीता शुक्ला पति स्व. गोविन्द नरायन शुक्ला व रिचा शुक्ला पुत्री गोविन्द नरायन व कई दंबग लोगों द्वारा काम रूकवाने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता द्वारा थानें से लेकर उच्च अधिकारी तक प्रार्थना पत्र देने के वावजूद आज तक कोई कार्यवाही ना की जा सकी है। महिनों ठोकरें खाने के बाद पीड़िता ने उप जिलाधिकारी को भी प्रार्थना पत्र दिया हैं,मगर हर तरफ से आश्वासन मिलने के बाद भी आज तक कोई कार्यवाही ना होने पर दबंगो के हौसले बुलंद है।

ट्रेन में चोरी करने वाले दो शातिर चोर पहुंचे सलाखों के पीछे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जीआरपी पुलिस को एक बड़ी सफलता उस समय हाथ लगी जब मुखबिर की सूचना पर दो चोरों को धर दबोचा।सेंट्रल स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों से यात्रियों के सामान पर हाथ साफ करने वाले दो चोर को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए चोरो के पास से सोने की कान की बाली तीन महंगे मोबाइल और 1950 नगद वा एक चमड़े का बैग बरामद किया गया है।जानकारी के मुताबिक जीआरपी क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार ने बताया की काफी दिनो से सूचना मिल रही थी की ट्रेन में यात्रा करने वाले वा प्लेट फार्म पर सो रहे यात्रियों के समान की चोरी हो रही है।जिस पर मुखबिर की सूचना पर गोविंद नगर कच्ची बस्ती निवासी दीपू पासवान और बिल्हौर निवासी शिबू उर्फ अकरम को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर जेल भेज रही है।

के वी के की दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा हुई कार्यशाला

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाकृअनुप- अटारी, जोन तृतीय, कानपुर द्वारा प्रदेश के बुन्देलखण्ड, उत्तर पूर्वी मैदानी एवं विन्ध्य कृषि जलवायु क्षेत्र के 23 कृषि विज्ञान केन्द्रो के लिये आयोजित की जा रही दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला के दूसरे एवं अंतिम दिन 11 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अपने कृषि विज्ञान केन्द्र की 2024 की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण दिया गया।

डा. ओ.पी. सिंह, पूर्व निदेशक प्रसार सरदार वल्लभभाई पटेल कृ. एवं प्रौ. विवि, मेरठ, डा. नरेन्द्र सिंह, अपर निदेशक प्रसार, बांदा कृषि एवं प्रौ. विवि, बांदा, भाकृअनुप-अटारी कानपुर से डा. एस. के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं डा. सीमा यादव, वैज्ञानिक तथा उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड, उत्तर पूर्वी मैदानी एवं विन्ध्य कृषि जलवायु क्षेत्र के 23 कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों ने भी कार्यशाला में उपस्थित रह कर अपनी सक्रीय भागीदारी को सुनिश्चित किया। डा. नरेन्द्र सिंह, अपर निदेशक प्रसार, बांदा कृषि एवं प्रौ. विवि. बांदा ने केवीके के वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि जो भी तकनीक किसानों तक जाए उसमें आने वाली समस्याओं जैसे खरपतवार प्रबंधन, पानी प्रबंधन, उर्वरक प्रबंधन एवं मृदा प्रबंधन आदि का अध्ययन करें और उनके समाधान हेतु कार्य नियोजन करें। इस अवसर पर डा. शान्तनु कुमार दुबे, निदेशक, भाकृअनुप, अटारी, कानपुर ने समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों के कार्यक्षेत्र की समस्याओं को सुना और समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव भी दिये। उन्होंने प्रक्षेत्र परीक्षण (आन फार्म ट्रायल) की परिकल्पना, उद्देश्य और विधियों की विस्तार से उपस्थित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिकों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु सभी केवीके को आनफार्म ट्रायल विकसित करने और कार्यान्वित करने की विशेष आवश्यकता है। डा. दुबे ने बताया कि कार्यशाला में किसानों की समस्याओं के अनुरूप कार्ययोजना बना कर प्रक्षेत्र पदर्शन निर्धारित किये जायें। साथ ही उन्होंने सभी केवीके से अनुरोध किया कि धान, गेहूँ एवं दलहनी फसलो की जो भी किस्में लगायी जा रही है प्रत्येक किस्मों का कितना प्रतिशत है आदि जानकारी का उचित डाक्यूमेंटेशन आवश्यक है।डा. एस.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-अटारी, कानपुर ने इस अवसर पर बताया कि प्रत्येक केवीके पर विभिन्न विषयों के विषयवस्तु विशेक्षज्ञों (एसएमएस) का दायित्व है कि कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्षेत्र में किसानों को जो भी समस्यायें आती हैं उनका निराकरण करके किसानों के साथ कार्य करें। डा. सीमा यादव, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-अटारी कानपुर ने बताया कि किसानों के पशुओं की बीमारियों, पोषक आहार, प्रक्षेत्र परीक्षण डिजाइन करने आदि पर अपने विचार कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ साझा किये जिससे किसानों द्वारा पाले जा रहे जानवरों के स्वास्थ्य में सुधार और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो सके। कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आडिट यूटिलाइजेशन सार्टिफिकेट एग्रीड्रोन, प्रत्येक परियोजना के खाते एवं वित्तीय स्थिति, फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना, निकरा परियोजना एवं प्राकृतिक खेती आदि पर विस्तार कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष / वैज्ञानिकों एवं अटारी कानपुर के वैज्ञानिकों तथा अतिथि विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई।कार्यशाला

एडीजी जोन ने छठ पूजा तैयारियों के विषय में विस्तार से किया ब्रीफ

कानपुर। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0, द्वारा यू0पी-112 वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से छठ पूजा की तैयारियों एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा कानपुर जोन की तैयारियों के विषय में विस्तार से ब्रीफ किया गया।

किसानों को पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग किए गए वितरित

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पोषण वाटिका या रसोईघर बाग या फिर गृह वाटिका, उस वाटिका को कहा जाता है, जो आंगन में ऐसी खुली जगह पर होती है जहां पारिवारिक श्रम से परिवार के इस्तेमाल के लिए विभिन्न मौसमों में मौसमी फल तथा विभिन्न सब्जियां उगाई जाती हैं।भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा मनुष्य शरीर के लिए सब्जियों की दैनिक मात्रा 300 ग्राम/व्यक्ति निर्धारित की गई है। जिसमें 125 ग्राम हरे पत्तेदार, 100 ग्राम कंदीय एवं 75 ग्राम अन्य सब्जियाँ शामिल है । वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति द्वारा 145 ग्राम सब्जी को ही खाया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण मंहगाई, बाजार से दूरी एवं जागरूकता की कमी हैं। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद, विकास खंड मैथा में जिन अनुसूचित जाति के कृषकों के पास गृह वाटिका लगाने हेतु जमीन नही है उन्हे डॉ निमिषा अवस्थी ने 15 कृषको को ग्रो-बैग वितरित किये ताकि वे अपने छत पर टेरेस गार्डेन विकसित कर अपने घर में सब्जी उगा कर सेवन करें।

20 फीसदी आबादी में स्वास्थ्यकर्मी घर-घर तलाशेंगे टीबी के रोगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए क्षय रोग विभाग निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए टीबी की शीघ्र जाँच और इलाज पर पूरा जोर है।

इसी के तहत विभाग एक बार फिर टीबी रोगियों को खोजने के लिए एक्टिव केस फाइंडिंग (एसीएफ) यानि सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान शुरू करने जा रहा है। इस बारे में सभी टीबी इकाइयों के मेडिकल ऑफिसर्स को शनिवार को प्रशिक्षित किया गया। जिला क्षय रोग अधिकारी की अध्यक्षता में जिला क्षय रोग केंद्र में यह प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ आरपी मिश्रा ने बताया - जनपद की आबादी करीब 51 लाख है, लेकिन विशेष अभियान के तहत 20 प्रतिशत आबादी की स्क्रीनिंग की जाएगी।

टीबी के लक्षण युक्त (संभावित रोगियों) व्यक्तियों की जांच की जाएगी और जांच में टीबी की पुष्टि होने पर तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा। शासन से मिले दिशा - निर्देशों के क्रम एक ओर जहां 23 नवंबर से पांच दिसंबर तक एक्टिव केस फाइंडिंग (एसीएफ) अभियान चलाया जाएगा, वहीं 20 नवंबर से 31 दिसंबर के बीच टीबी के प्रति संवेदीकरण बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा कि अभियान के लिए कुल 335 टीम और 67 सुपरवाइजर तैनात किये गये हैं। प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी संभावित क्षय रोगियों की जांच करेंगे और टीबी की पुष्टि होने पर 48 घंटे के अंदर उपचार शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया- अभियान के दौरान आवासीय परिसरों, जैसे अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, नारी निकेतन, बाल संरक्षण गृह, मदरसों और छात्रावासों में कैंप आयोजित कर टीबी के प्रति संवेदीकरण किया जाएगा और लक्षण युक्त व्यक्ति के स्पुटम (बलगम) के नमूने एकत्र किए जाएंगे । जिला कार्यक्रम समन्वयक राजीव सक्सेना ने बताया - जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों का संवेदीकरण, पंचायती राज, शिक्षा और समाज कल्याण विभाग समेत तमाम विभागों की अंतर्विभागीय बैठक, निजी चिकित्सकों का संवेदीकरण, औषधि विक्रेताओं का संवेदीकरण, धर्मगुरुओं का संवेदीकरण, एनसीसी/एनएसएस/ एनवाई के संवेदीकरण और टीबी चैंपियन का संवेदीकरण आदि गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को जनांदोलन बनाने के प्रयास होंगे। साथ ही अभियान के दौरान स्क्रीनिंग में मिलने वाले लक्षण युक्त व्यक्तियों की जांच की जाएगी। जांच में टीबी की पुष्टि होने पर हर रोगी की सीबीनॉट जांच कराई जाएगी ताकि उसके लिए सटीक दवा का निर्धारण करने में आसानी हो। इसके साथ ही सभी रोगियों की शुगर और एचआईवी जांच भी की जाएगी और पूरा डेटा निक्षय पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा ।जनपद में क्षय रोगी उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में अब तक करीब 19000 टीबी रोगी नोटिफ़ाइड हैं, जिनका स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर उपचार किया जा रहा है। साथ ही गोद लिए गए सभी क्षय रोगियों को हर माह पोषण पोटली भी प्रदान की जा रही है। निक्षय पोषण योजना के तहत क्षय रोगियों को उपचार के दौरान हर माह 500 रुपये भी डीबीटी के द्वारा भेजे जा रहे हैं।

मण्डलायुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुई मण्डल स्तरीय निर्यात निगरानी समिति की बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, मण्डलायुक्त अमित गुप्ता की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश कृषि नियार्म नीति 2019 के अंतर्गत कानपुर मण्डलय स्तरीय निर्यात निगरानी समिति की बैठक मण्डलायुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुई, जिसमें सर्वप्रथम सदस्य सचिव द्वारा कृषि विपणन एवं कृषि अवदेश व्यापार विभाग उ0प्र0 द्वारा सम्पादित कराये जा रहे कार्यो का विशलेषण किया गया।

बैठक में मण्डल स्तर पर कृषि उत्पादों के निर्यात हेतु कृषि फसलों एवं उत्पादों का चयन, उनके विदेशी मानकों के अनुसार किये जाने के सम्बन्ध में प्रकाश अमित कुमार महानिदेशक डीजीएफटी द्वारा किया गया। वहीं मण्डलायुक्त द्वारा कृषि निर्यात प्रबन्ध में डिग्री व डिप्लोमा कार्से के लिए चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविधालय कानपुर के विषय विशेषज्ञों के साथ समन्वय कर कोर्स की विषय वस्तु प्राप्त करने के निर्देष दिय गये। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त एनबी सविता, अपर निदेशक प्शुपालन डा0 अनिल दत्तात्रेय पाण्डेय, संयुक्त कृषि निदेशक डा0 अशोक तिवारी, प्रभारी मण्डलीय दुग्धशाला अधिकारी संतोष कुमार, प्रधानाचार्य खाध्य ढवं प्रसंस्करण कानपुर मण्डल पवन कुमार, जिला विकास प्रबन्धक नाबाई राहुल यादव आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस पर ग्रामीणों की समस्याएं निस्तारण हेतु किया निर्देशित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में तहसील बिल्हौर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए 06 प्रकरणों में आज ही समाधान दिवस के पश्चात उप जिलाधिकारी बिल्हौर, तहसीलदार बिल्हौर, नायब तहसीलदार तथा अन्य राजस्व अधिकारियों की टीमों को तत्काल निस्तारण हेतु भेजा गया। एक प्रकरण में आई.जी.आर.एस. पोर्टल में लेखपाल द्वारा असन्तोषजनक रिपोर्ट लगाने के कारण उप जिलाधिकारी बिल्हौर को निर्देश दिए गए कि संबंधित लेखपाल को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए विभागीय कार्यवाही प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों के समयानुसार गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु उपस्थित अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उपस्थित समस्त जनपदस्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण समाधान करना शासन की प्राथमिकता है, जिसके आधार पर प्राप्त समस्त प्रकार की शिकायतों का समयबद्ध रूप से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए।

समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के त्वरित गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु 06 प्रकरणों की आज ही जांच कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए एवं समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को समाधान दिवस के पश्चात मौके पर भेजा गया। खलिहान की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत के निस्तारण में गलत आख्या लगाने के कारण पीड़ित द्वारा असन्तोष जनक आख्या लगाने के कारण ग्राम जबती बादशाहपुर के लेखपाल पर विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए उनके विरुद्ध विभागीय किए जाने के निर्देश उप जिलाधिकारी बिल्हौर को दिए।समस्त प्रकार की प्राप्त शिकायतों की सन्दर्भ आख्या आज ही आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश उप जिलाधिकारी बिल्हौर को दिए।संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी बिल्हौर रश्मि लांबा, तहसीलदार बिल्हौर सहित अन्य समस्त संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा बिल्हौर तहसील के अंतर्गत ग्राम रामपुर नरुआ में स्थित अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। अटल आवासीय विद्यालय का प्रथम शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ किया जा चुका है, जिसके दृष्टिगत अटल आवासीय विद्यालय के क्लास रूम, स्टाफ रूम, टेक्निकल लैब, बालक / बालिका छात्रावास, किचेन तथा डायनिंग हाल, शौचालय तथा विद्यालय प्रांगण आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए उप श्रमायुक्त को निर्देशित किया गया कि विद्यालय में स्थापित आगन्तुको के लिए जलपान गृह के संचालन की कार्यवाही हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।उप श्रमायुक्त को निर्देशित किया गया कि अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण कराने वाली कार्यदायी संस्था के माध्यम से विद्यालय परिसर के समस्त भवनों की डीप क्लीनिंग कराई जाए तथा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई सुचारू रूप से कराई जाए। प्राचार्य, अटल आवासीय विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय प्रांगण में फॉगिंग कराने के लिए फागिंग मशीन खरीदने हेतु प्रस्ताव उपश्रमायुक्त के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए तथा विद्यालय में फागिंग कराए जाने हेतु मानव संसाधन की भी तैनाती सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए।अधिशाषी अभियंता, निर्माण खंड-2, लो0नि0वि0 यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय प्रांगण में स्थापित बास्केटबॉल कोर्ट की फर्स को समुचित रूप से समतल करते हुए कलर्ड मार्किंग की जाए। अधिशाषी अभियंता, निर्माण खंड-2, लो0नि0वि0 द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विद्यालय परिसर में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्धारित क्षमता के साथ संचालित करने के सम्बंध में टेस्टिंग सुनिश्चित करें तथा विद्यालय परिसर में बनाए गए रैन वाटर हार्वेस्टिंग संयंत्र को भी सुचारू रूप से क्रियाशील कराया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, अपर श्रमायुक्त समेत अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नन्दी पकड़ने का एक माह का विशेष अभियान आज से

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम के नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन द्वारा डॉ. आरके निरंजन मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देश के क्रम में नगर निगम सीमार्न्तगत विचरण कर रहें साड़ों को पकड़ने के लिये सोमवार से 1 माह का विशेष अभियान संचालित किया जायेगा। एक माह में लगभग 500 साड़ पकड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

नगर क्षेत्र में सड़क पर घूम रही अधिकांश गाय पालतू होती है जिन्हें नगर निगम के द्वारा पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित किया जा रहा है। पशुपालकों के व्यवहार में आवश्यक त्रंसुधार न होने पर महापौर द्वारा पशुपालकों के सड़क पर छोड़े गये पशुओं को किसी भी दशा में पशुमालिक को न सौपें जाने के लिए पूर्व में आदेशित किया गया था। सड़क पर घूम रहें अधिकांश गाय प्राय: किसी पशुमालिक द्वारा दूध निकालने के बाद जानबूझ कर सड़क पर छोड़ी जाती है, जो कि अप्रिय दुर्घटना का कारण बनती है। नगर निगम के द्वारा सड़क पर विचरण कर रहें साड़ों को पकड़ने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनायी गयी है जिसके तहत 20 नवम्बर से 20 दिसम्बर तक साड़ों को पकड़ने हेतु एक माह का विशेष अभियान चलाया जायेगा। जिसके लिये पाँच टीमों का गठन किया गया है।

उक्त 05 कैटिल कैचिंग दस्ता नगर निगम के समस्त 110 वार्डों मे साड़ों को पकड़ने की कार्यवाही करेगें परन्तु जिन वार्डो मे आवारा साड़ों की संख्या अधिक है उन क्षेत्रो पर जोर दिया जायेगा।

वर्तमान में कृषि कार्य के लिये बछड़ों की आवश्यकता न होने के कारण चट्टा मालिकों द्वारा समस्त नर वत्स (बछड़ा), साड़ों को सड़क पर आवारा छोड़ दिया जाता है, जो नागरिकों के लिये समस्या उत्पन्न करतें है। नगर क्षेत्र में नगर निगम सीमा के बाहरी क्षेत्रों जैसे पनकी, चकेरी, राजेन्द्र नगर, जाजमऊ, नारामऊ आदि क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों से लगे हुये है जहॉ पर समय- समय पर किसानों के द्वारा फसलों को नुकसान से बचाने के लिये आवारा पशुओं को नगरीय क्षेत्र में छोड़ दिया जाता है । उन क्षेत्रों मे भी विशेष अभियान संचालित कर गौवंशों को पकड़ने की कार्यवाही की जायेगी ।विगत माह सितम्बर में कुल 839 पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही की गयी जिसमे 379 साड़ और 460 गायों की संख्या है। जान बूझ कर सड़को पर गौवंश को खुली छोड़ने पर पेनाल्टी के रूप में रूपय 2,49,300.00 जुर्माना वसूल किया गया है।

वही, अब्टूबर में कैटिल कैचिंग की कार्यवाही में पशुओं की संख्या 574 है। जिसमें 175 गाय, 390 साड़ो की संख्या है तथा माह अब्टूबर में रूपया 1,33,550.00 जुर्माना भी वसूला गया।

नवम्बर में शुक्रवार तक कुल गाय 67, एवं 247 साड़, को निरूद्ध कर गौशालाओं में संरक्षित किया गया।37500 जुर्माना वसूला गया।

मूर्धन्य पत्रकार शहीद लाला लाजपत राय के बलिदान पर की पुष्पांजलि

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश चन्द्रशेखर आजाद जनकल्याण समिति द्वारा प्रख्यात स्वाधीनता सेनानी मूर्धन्य पत्रकार शहीद लाला लाजपत राय के बलिदान पर पुष्पांजलि सभा प्रतिमा स्थल लाजपत नगर तिराहा में सर्वेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

शहीद लाला की आदमकद प्रतिमा की सफाई कर माल्यार्पण किया गया। श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लाला को स्वाधीनता संग्राम का महान सेनानी, उच्च कोटि का नेता और एक सच्चा देशभक्त बताया। और युवकों से उनके दिखाये मार्ग पर चलने का आवाह्न किया।

तभी देश की एकता और सौहार्द कायम रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी सर्वेश कुमार पांडेय निन्नी लाला की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहाकि उन्होंने जीवन पर्यन्त देश को क्रूर अंग्रेजी सम्राज्यवाद से आजाद कराने के लिए मन वचन कर्म तीनों से देश व देश के बाहर जाकर जुझारू संघर्ष किया और साईमन कमीशन गो बैक का नारा बुलंद करते हुए अंग्रेजी हुकुमत की लाठियों का शिकार हो गये। जिससे सारा देश व्याकुल हो उठा था। जिसका बदला क्रांतिकारी दल के कमांडर इन चीफ चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में भगतसिंह आदि ने 17 दिसम्बर 1928 ठीक एक माह बाद ले लिया था।

मगर देश के लोग अपने महापुरुषों को भूलते जा रहे हैं जबकि उनकी पूरी क्रांतिकारी गाथा को पाठ्य पुस्तकों में पढ़ाई जाने चाहिए। कार्यक्रम में राकेंद्र मोहन तिवारी, तिलक चंद्र, देव नारायण शुक्ला, अरविंद शर्मा, अजय अग्निहोत्री, ए. के. द्विवेदी, पार्षद अमनदीप सिंह लबी, कमरुद्दीन आदि थे। स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र विष्णु दत्त दीक्षित को सम्मानित किया गया।

शातिर अभियुक्तों को नगदी वह जेवरात के साथ किया गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मेंपुलिस उपायुक्त पूर्वी एवं अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी व सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी व प्रभारी निरीक्षक चकेरी के कुशल नेतृत्व में थाना हाजा पन पंजीकृत मु0अ0सं0 874/2023 धारा 392 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण राकेश कुमार सरोज पुत्र स्व0 राज कुमार सरोज निवासी 8/5 उसमानपुर कालोनी थाना नौबस्ता कानपुर नगर हाल पता 300/7 राजीव विहार मछरिया थाना नौबस्ता कानपुर नगर उम्र करीब 26 वर्ष सुमित पुत्र मुन्नू लाल सविता मूल निवासी 130/33 बी बाकरगंज बगाही भट्टा टीपी नगर थान बाबूपुरवा कानपुर नगर हाल पता 12 राजीव विहार थाना नौबस्ता कानपुर नगर उम्र करीब 20 वर्ष 03. विनोद सिंह पुत्र स्व0 प्रेम सिंह लोधी निवासी 163 ई यशोदा नगर थाना नौबस्ता कानपुर नगर उम्र करीब 34 वर्ष को दौराने चेकिंग एयरपोर्ट रोड तिराहे के पास चौकी क्षेत्र अहिरवाँ थाना चकेरी से गिरफ्तार किया गया है जो कि 10 नवंबर की रात्रि में नरेन्द्र कुमार गुप्त निवासी- आकाश गंगा विहार कालोनी अहिरवाँ थाना चकेरी कानपुर नगर के घर में घुस कर जेवरात व नगदी लूट की घटन कारित किये थे जिनको थाना चकेरी पुलिस उ0नि0 विजय प्रताप सिंह चौहान चौकी प्रभारी अहिरवां मय हमराह उ0नि0 राष्ट्रदीप सिंह, उ0नि0 योगेन्द्र सिंह, हे0कां0 विनोद कुमार सिंह, कां0 बन्टी कुमार, कां0 शैलेश कुमार कां0 सर्वेश कुमार व हे0का0 आलोक कुमार के देखभाल क्षेत्र, रोकथाम जुर्म जरायम, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति व वाहन तलाश वांछित अपराधी चौकी क्षेत्र चकेरी से मुखबिर खास की सूचना पर उपरोक्त अभियुक्तगणों को नियमानुसार हिरासत पुलिस में लिया गया जिनके पास से लूट की घटना से सम्बन्धित जेवरात व नगदी बरामद हुआ है। दौराने गिरफ्तारी के समय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं उच्चतम न्यायालय के आदेशों निर्देशों का अक्षरशः पालन किया व कराया गया।

पेट की जटिल परेशानी से जूझ रहे युवक को डॉ. धनंजय चौधरी ने दी राहत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कालेज से सम्बद्ध हैलट अस्पताल के मानसिक रोग विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी ने युवक की बीमारी का बेहतर इलाज कर स्वस्थ किया। जब की मरीज कानपुर के कई डॉक्टर और पीजीआई के डॉक्टरों को दिखा चुका था। 20 वर्षीय अंबुज (काल्पनिक नाम) एक महा के चले इलाज में युवक पूरी तरह से स्वस्थ्य हो गया। युवक ने बेहतर इलाज के लिए डॉ. धनंजय चौधरी को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। औरया निवासी अंबुज (काल्पनिक नाम) दो माह से पेट की समस्या से परेशान था।युवक ने बताया कि उसने लखनऊ के पीजीआई में भी डॉक्टरों को दिखाया जिस पर डॉक्टर ने सभी जांचे करायी, एमआरआई, अल्ट्रासाउंट, स्टूल की जांच मुंबई भेजी। सभी जाचे सही निकली, फिर भी पेट की परेशानी का हल नहीं निकला।पीजीआई के डॉक्टरों ने कानपुर के मानसिक रोग विभाग के डॉक्टर धनंजय चौधरी को दिखाने के लिए कहा, जिस पर युवक अंबुज लाला लाजपतराय राय हॉस्पिटल के (हैलट) हॉस्पिटल में डॉ. धनंजय चौधरी के ओपीडी में पहुंचा। जहां एक महा तक इलाज चला। डॉक्टर चौधरी का कहना, मरीज को उलझन और उदासी रहती थीं। उसको लगता था पेट में दिक्कत है। मरीज की दिक्कत कुछ अलग थी। पूर्व में कई डॉक्टरों ने मरीज की सभी जांचे और बायोप्सी तक करायी, रिपोर्ट नार्मल थी। उन्होंने बताया कि इस बीमारी को सोमोटोफार्म कहते है जिसमें अक्सर मरीज के पेट में दर्द, डायरिया, उलझन और उदासी जैसी समस्या रहती है जिसे आम तौर पर लोग पेट में गैस बनना ही समझते है, वास्तविक में ऐसा नही है। सोमोटोफार्म बीमारी के कारण ही ऐसा होता है जिसे बहुत कम लोग ही जानते है और समझते है। मरीज उदय की बीमारी को गंभीरता से लेते हुए उसका एक माह तक उपचार किया गया। उपचार के बाद अब युवक अंबुज पूर्ण रूप से स्वस्थ्य है और बेहतर महसूस कर रहा है। युवक ने डॉक्टर धनंजय चौधरी को सफल इलाज करने के लिए उन्हें आभार व्यक्त किया। डॉ. धनंजय चौधरी इससे पूर्व भी कई ऐसे मरीजो को ठीक कर चुके है जो कई बडे-बडे अस्पतालो से होकर आए हुए थे।

विकास भवन सभागार में ई-कोर्ट और टेली लॉ की दी विस्तृत जानकारी

कानपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर के सहयोग से विकास भवन सभागार कानपुर नगर में टेली लॉ जागरूकता व विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सीएससी प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर योगेश मिश्रा द्वारा अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर नगर शुभी गुप्ता का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेट कोऑर्डिनेटर वागीश सिंह द्वारा टेली लॉ की विस्तृत जानकारी देकर किया गया।उन्होंने बताया कि टेली लॉ एक जरूरी प्रयास जो संयुक्त रूप से न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और सी0एस0सी0 ई गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा शुरू किया गया है। टेली लॉ जो कि संचार व सूचना की अद्यतन तकनीकी का प्रयोग करते हुये पैनल लायर द्वारा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले कानूनी सहायता से वंचित लोगों को कानूनी सहायता/सलाह उपलब्ध कराया जाता है। कानूनी सलाह/सहायता प्राप्त करने के आवेदक अपने शिकायत करीब के सी0एस0सी0 सेन्टर पर पंजीकृत करा सकता है, पंजीकरण पूर्णतय निःशुल्क वह गोपनीय है। अपर जिला जज शुभी गुप्ता द्वारा बताया गया कि यह महत्वाकांक्षी योजना है जिसके माध्यम से राज्य के दूरस्थ स्थानों पर निवास करने वाला व्यक्ति भी समाज की मुख्यधारा में आ जाता है, प्रोजेक्ट टेली लॉ समाज के कमजोर व्यक्तियों को एक ऐसा अवसर प्रदान करता है जहां पर एक ही छत के नीचे वह अपनी विधिक समस्याओं का समाधान तथा राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा पाता है टेली लॉ देश के सुदूर कोने में रहने वाले हर व्यक्ति को सफलतापूर्वक जोड़ने और उसके द्वार पर कानूनी सहायता पहुंचाने का प्रथम पहला प्रयास है। समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों का समावेशन और उनका कानून सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल भारत के तहत इस योजना को शुरू किया गया।उत्तर प्रदेश विधिक सेवा प्राधिकरण की मदद से इस योजना को सलाह से सहायता की तरफ अग्रसर है।टेली लॉ= पाए कानूनी सलाह और जानकारी दहेज ,पारवारिक विवाद, तलाक ,घरेलू हिंसा और भरण पोषण, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न महिलाओं का अपमान करने के लिए शब्दों , कृत्यों, इशारों का उपयोग करना भूमि विवाद, किरायेदारी, और पट्टा, संपत्ति और विरासत अधिकार समान काम का समान वेतन, न्यूनतम वेतन मातृत्व लाभ, गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन, प्री और पोस्टनेटल तकनीक के दुरुपयोग की रोकथाम बाल विवाह की रोकथाम, यौन अपराधों से बच्चों को सरक्षण (पास्को) बाल श्रम/बंधुवा मजदूरी और शिक्षा का अधिकार (आर टी आई) एफआईआर और शिकायत दर्ज करना है।

गोल्डी उद्योग समूह ने स्थापित किया एक और स्वचालित पैकेजिंग प्लांट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय रसोई की शान तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान गोल्डी उद्योग समूह द्वारा एक औरस्वचालित पैकेजिंग प्लांट की स्थापना दादानगर स्थित फैक्ट्री में की गई जिसका उदघाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी द्वारा किया गया।ये हाई स्पीड मशीन है जो गोल्डी मसाले से भरे डिब्बों को एक साथ सैकडों डिब्बे पैक कर देती है। श्री अवस्थी ने गोल्डी मसाले की फैक्ट्री का भी अवलोकन किया। फैक्ट्री की व्यवस्था एवं उसकी स्वच्छता को देखकर गोल्डी के निदेशकों, कार्यरत कर्मचारियों की प्रशंसा की तथा उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास में गोल्डी उद्योग समूह के महत्व को भी बताया कि किस तरह गोल्डी उद्योग समूह उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गोल्डी उद्योग समूह के निदेशक आकाश गोयनका, सुदीप गोयनका, शुभम गुप्ता, आंचल गोयनका, कुंवर सेठ, आदित्य रासिया तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं की गर्भावस्था मधुमेह जांच बहुत आवश्यक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। त्रिवेणी नगर क्षेत्र की निवासी 25 वर्षीय हिमांशी अग्रवाल पहली बार माँ बनी हैं। पिछले माह जिला महिला अस्पताल में बेटा हुआ। वह और उनका बच्चा पूरी तरह स्वस्थ हैं। हिमांशी ने बताया ङ्क प्रसव के समय वह जेस्टेशनल डायबिटीज़ का शिकार हो गयी थीं। चिकित्सकों की सलाह पर पूरी तरह अमल और प्रसव पूर्व नियमित जांच कराने का ही नतीजा रहा कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ पैदा हुआ। हिमांशी बताती हैं ङ्कजब मैं गर्भवती हुई थी तब अपने मायके लखनऊ में थी ।

और गर्भावस्था के छठ्वें माह में मुझे जेस्टेशनल डायबिटीज़ के बारें में पता चला, शुरुआत में खान पान और दवाइयों से स्थिति को संभाला, लेकिन अंततः मुझे खून में शुगर के स्तर को कम करने के लिए इंसुलिन लेना पड़ा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की अपर निदेशक डॉ अंजू बताती हैं कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में कई तरह के बदलाव होते हैं, जिसमें एक खून में शुगर की मात्रा बढ़ना भी है, इस स्थिति को गर्भकालीन डायबिटीज़ यानि जेस्टेशनल डायबिटीज़ कहा जाता है। हालांकि यह बीमारी महिलाओं में बच्चे के जन्म के बाद खत्म हो जाती है और भविष्य में उन्हें डायबिटीज़ होने का ख़तरा रहता है। लेकिन इससे गर्भावस्था में कई तरह की परेशानियाँ हो सकती हैं। इससे गर्भ में पल रहे शिशु की जान को भी खतरा हो सकता है। क्यों बढ़ जाती है रक्त में शुगर की मात्रा- के पीएम चिकित्सालय की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ दीप्ति गुप्ता बताती हैं कि गर्भकालीन डायबिटीज़ के दौरान पेंक्रियाज़ से बनने वाला इंसुलिन ब्लड शुगर के स्तर को नीचे नहीं ला पाता है। हालांकि इंसुलिन प्लेसेंटा (गर्भनाल) से होकर नहीं गुजरता, जबकि ग्लूकोज व अन्य पोषक तत्व गुजरते हैं। ऐसे में गर्भ में पल रहे बच्चे का भी ब्लड शुगर स्तर बढ़ जाता है, क्योंकि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ऊर्जा मिलने लगती है, जो फैट के रूप में जमा हो जाती है। इससे बच्चे का वजन बढ़ने लगता है और समय से पहले ही बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ जाता है। वह बताती हैं आज के समय में 10 से 17 प्रतिशत गर्भवती को जेस्टेशनल डायबिटीज़ होती है। बच्चे पर होने वाले दुष्प्रभाव अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरवी सिंह का कहना है कि

गर्भ में पल रहे बच्चे को माँ से ही पोषण मिलता है। ऐसे में अगर माँ का शुगर का स्तर बढ़ता है तो इसका असर गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है।

इससे बच्चा कमजोर या ज्यादा वजन का हो सकता है, गर्भपात, या पेट में बच्चा खत्म होने का खतरा रहता है। प्रसव के बाद कुछ समय के लिए सांस की तकलीफ हो सकती है, या बच्चे के दिल में छेद की संभावना हो सकती है, समय से पूर्व प्रसव हो सकता है, यदि बच्चे का प्रसव सही से हो गया तो उसके मोटापा बढ़ने और साथ ही उसे भी शुगर होने की संभावना बढ़ जाती है।ऐसे बचें

गर्भावस्था में डायबिटीज़ से बचने के लिए सही तरह का खानपान, सक्रिय जीवन शैली, चिकित्सीय देखभाल, ब्लड शुगर स्तर की कड़ी निगरानी जरूरी है। जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता हरिशंकर मिश्रा ने बताया कि जीडीएम कार्यक्रम (जस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में सम्लित है जो कि प्रति माह की 1, 9, 16 व 24 तारिख को एचआरपी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व उपकेन्द्रों पर गर्भवती की ओरल ग्लूकोज टरोल्वेंस टेस्ट (ओजीटीटी) होता है।क्या कहते हैं जनपद के आंकड़े स्वास्थ्य विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 -24 में अप्रैल से अक्टूबर तक 26411 महिलाओं ने डायबिटीज़ की जांच करायी, जिसमें 429 में जेस्टेशनल डायबिटीज़ मिली।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डल स्तरीय निर्यात निगरानी समिति की बैठक संपन्न

कानपुर। मण्डलायुक्त अमित गुप्ता की अध्यक्षता में प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के अन्तर्गत कानपुर मण्डल स्तरीय निर्यात निगरानी समिति की बैठक मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में कमल कान्त त्यागी, सहायक कृषि विपणन अधिकारी, सदस्य सचिव मण्डलस्तरीय कृषि निर्यात निगरानी समिति कानपुर मण्डल द्वारा बैठक में उपस्थिति समस्त सदस्यों का स्वागत एवं अभिन्दन करते हुए बैठक प्रारम्भ की गयी। जिसमें सर्वप्रथम सदस्य सचिव द्वारा कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग, उ0प्र0 द्वारा सम्पादित कराये जा रहे कार्यों की मार्केटिंग इंटेलिजेन्स, डेटा का कलेक्शन, भारत सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न वेबसाइट पर प्रेषित करना, कृषि एवं उत्पादों के गुणवत्ता नियंत्रण के अन्तर्गत एगमार्क योजना का संचालन किया जाता है। तत्पश्चात मण्डल स्तर पर कृषि उत्पादो के निर्यात हेतु कृषि फसलों एवं उत्पादों का चयन उनके विदेशी मानकों के अनुसार किया जाये पर प्रकाश अमित कुमार महानिदेशक डीजीएफटी द्वारा दिया गया। मण्डलायुक्त द्वारा कृषि निर्यात प्रबन्ध में डिग्री व डिप्लोमा कोर्स के लिए चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं विश्वविद्यालय के विषय विषेशज्ञों के साथ समन्वय करके कोर्स की विषय वस्तु प्राप्त करने के निर्देश दिये गये। मण्डल में कार्यशील एवं इच्छुक निर्यातकों, प्रगतिशील कृषकों कृषक उत्पादक संगठनो का चयन करते हुए अगली बैठक में बुलाये जाने के निर्देश दिये गये, जिससे इच्छुक/क्रियाशील हितधारको का चयन किया जा सके

कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

कानपुर। आईसीएआर अटारी द्वारा प्रदेश के बुन्देलखण्ड, उत्तर पूर्वी मैदानी एवं विन्ध्य कृषि जलवायु क्षेत्र के कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा एवं कार्य योजना कार्यशाला का उद्घाटन किया गया।भाकृअनुप-अटारी, जोन-तृतीय में उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड, उत्तर पूर्वी मैदानी एवं विन्ध्य कृषि जलवायु क्षेत्र के 23 कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में भाकृअनुप-अटारी कानपुर केनिदेशक डा. शान्तनु कुमार दुबे ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन उत्तरप्रदेश के बुन्देलखण्ड, उत्तर पूर्वी मैदानी एवं विन्ध्य कृषि जलवायु क्षेत्र के 23 कृषि विज्ञान केन्द्रों की वर्ष 2024 की कार्ययोजना तैयार करने के लिये किया जा रहा है। डा. दुबे ने कृषि विज्ञान केन्द्रों से आग्रह किया कि वे अपने जनपद के किसानों की समस्याओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करें, उनका क्रियान्वयन करें और उनके परिणामों को लाइन डिपार्टमेंट द्वारा अन्य किसानों तक पहुँचायें जिससे किसानों की समस्याओं का समाधान वृहद स्तर पर हो सके। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं को प्रभावी ढंग से समझाने का प्रयास हर सम्भव होना चाहिए। डा. दुबे ने बताया कि किसानों को केन्द्र में रखकर केवीके अपनी कार्य-योजना बनायें और जो योजना बने वह विज्ञान चलित तथा किसान-केन्द्रित होना चाहिए। सभी केवीके प्रक्षेत्र प्रदार्शन किसानों की समस्याओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही करें, विषयवार प्रक्षेत्र प्रदर्शन निर्धारित न करें, समूहबद्ध प्रक्षेत्र प्रदर्शन निर्धारित करें। समस्त केवीके वैज्ञानिक पी.आर.ए. आधारित प्रक्षेत्र परीक्षण जनपद की परिस्थिति के हिसाब से प्लान करें। डा. दुबे ने अपने उद्बोधन में बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र जिले में ज्ञान एवं संसाधन केन्द्र (नालेज एवं रिसोर्स सेन्टर) के रूप में कार्य करते हैं। अतः कृषक भागीदारी प्रक्षेत्र परीक्षणों से ही ज्ञान का सृजन हो सकेगा।उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ जिसमें कार्यशाला के प्रथम दिन 12 कृषि विज्ञान केन्द्र (बहराइच प्रथम, बहराइच द्वितीय, गोण्डा प्रथम, गोण्डा द्वितीय, बलरामपुर, झांसी, महोबा, हमीरपुर, जालौन, ललितपुर, बांदा एवं चित्रकूट) के अध्यक्षों द्वारा द्वारा अपने कृषि विज्ञान केन्द्र की 2024 की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण दिया गया। जिसकी विशेषज्ञों ने समीक्षा कर सुझाव दिये। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित परियोजना एवं वित्तीय स्थिती, बजट आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।कार्यशाला में डा. ओ.पी. सिंह, पूर्व निदेशक प्रसार, सरदार वल्लभभाई पटेल कृ.एवं.प्रौ. विश्वविद्यालय, मेरठ, डा. आर.आर. सिंह, अपर निदेशक प्रसार, आ.न.दे. कृषि एवं प्रौ. विवि अयोध्या, डा. नरेन्द्र सिंह, अपर निदेशक प्रसार, बांदा कृषि एवं प्रौ. विवि. बांदा, डा. एस.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, डा. राघवेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, डा. सीमा यादव, वैज्ञानिक के साथ ही भाकृअनुप-अटारी, कानपुर के समस्त वरिष्ठ शोध अध्येता डा. राम नरेश, डा. राजीव सिंह, डॉ. निखिल सिंह, मोहिल कुमार, अखंड प्रताप सिंह, रोहित सेंगर, गौरव तिवारी ,अनेक सिंह और अजय सिंह गौतम ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

पराली न जलाएं पर डॉ. खलील की किसानों से अपील

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने जनपद के समस्त किसान भाइयों से अपील की है कि वे अपने खेतों में धान की फसल के अवशेषों (पराली) आदि को न जलाएं क्योंकि फसलों के अवशेषों को जलाने में उनके जड़, तना, पत्तियां आदि के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक डा. खान ने यह भी बताया कि फसल अवशेषों को जलाने से मृदा के तापमान में वृद्धि हो जाती है। जिसके कारण मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत असर पड़ता है।मृदा में उपस्थित सूचम जीवाणु नष्ट हो जाते हैं जिसके कारण मृदा में उपस्थित जीवांश अच्छी प्रकार से सड़ नहीं पाते जिससे पौधे पोषक तत्व प्राप्त नहीं कर पाते हैं।परिणाम स्वरूप फसल उत्पादन में गिरावट आती है इसके अतिरिक्त वातावरण के साथ-साथ पशुओं के चारे के लिए भी व्यवस्था करने हेतु समस्या आती है उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगाने से अन्य फसलों तथा घरों में भी आग लगने की संभावना बनी रहती है वायु प्रदूषण से अस्थमा और एलर्जी जैसी कई प्रकार की घातक बीमारियों को बढ़ावा मिलता है एवं दुर्घटनाएं होने की संभावनाएं बनी रहती हैं उन्होंने यह भी बताया कि किसान भाई फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर कंपोस्ट या वर्मी कंपोस्ट खाद बनाकर प्रयोग करें।

हलाल सर्टिफिकेशन होगा 'हराम', यूपी में लग सकता है प्रतिबंध, सीएम योगी ने लिया संज्ञान

लखनऊ। बिना किसी अधिकार के खान-पान व सौंदर्य प्रसाधन के उत्पादों को अवैध ढंग से 'हलाल सर्टिफिकेट' देने के काले कारोबार पर अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चाबुक चलने जा रहा है। मजहब की आड़ लेकर एक धर्म विशेष को बरगलाने और अन्य धर्मों के बीच विद्वेष भड़काने की इस नापाक कोशिश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आशंका है कि कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लेकर हलाल सर्टिफिकेट के नाम पर इकट्ठा हो रही अवैध कमाई से आतंकवादी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की फन्डिंग की जा रही है। वहीं अब लखनऊ कमिश्नरेट में एफआईआर भी दर्ज की गई है।एफआईआर के मुताबिक हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, जमीयत उलेमा हिन्द हलाल ट्रस्ट दिल्ली, हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया मुम्बई, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र मुम्बई आदि द्वारा एक धर्म विशेष के ग्राहकों को मजहब के नाम से कुछ उत्पादों पर हलाल प्रमाणपत्र प्रदान कर उनकी ब्रिकी बढ़ाने के लिए आर्थिक लाभ लेकर अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। इन कंपनियों के पास किसी उत्पाद को प्रमाण पत्र देने का कोई अधिकार नहीं है। उक्त कम्पनियों द्वारा कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार कर आर्थिक लाभ लेकर विभिन्न कम्पनियों को हलाल प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला तो है ही जनआस्था के साथ छल है। शिकायतकर्ता ने इसे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए कहा है कि जिन कम्पनियों ने ऐसा हलाल प्रमाण पत्र इनसे नहीं प्राप्त किया है, उनके उत्पादन की बिक्री को घटाने का प्रयास भी किया जा रहा है, जो कि आपराधिक कृत्य है।

आशंका है कि इस अनुचित लाभ को समाज विरोधी/राष्ट्र विरोधी तत्वों को पहुंचाया जा रहा है। खास बात यह कि शाकाहारी उत्पादों जैसे तेल, साबुन, टूथपेस्ट, मधु आदि की बिक्री के लिए भी हलाल प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, जबकि शाकाहारी वस्तुओं पर ऐसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होती है। जाहिर है कि एक समुदाय विशेष एवं उनके उत्पादों के विरुद्ध आपराधिक षडयन्त्र किया जा रहा है।शिकायतकर्ता का आरोप है कि मजहब की आड़ लेकर एक वर्ग विशेष में अनर्गल प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है कि ऐसे उत्पाद का प्रयोग न करें जिसे इनकी कम्पनी द्वारा हलाल प्रमाणपत्र न दिया गया हो। परिणाम स्वरुप दूसरे समुदाय विशेष व्यावसायिक हितों का नुकसान हो रहा है। इस प्रकार आम नागरिकों के लिये उपयोग होने वाली वस्तुओं पर भी हलाल प्रमाण पत्र जारी कर अनुचित आर्थिक लाभ कमाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। उपरोक्त कम्पनियों द्वारा ऐसा न केवल आर्थिक लाभ के लिए बल्कि समाज में वर्ग विद्वेष फैलानें, आम जन मानस मे विभेद कराकर देश को कमजोर करने के लिए पूर्व सुनियोजित योजना के अनुसार किया जा रहा है। जिसमे उक्त कम्पनियों के मालिक प्रबन्धक के अलावा अन्य तमाम लोगो की भी एक आपराधिक षडयंत्र के तहत सहभागिता है तथा इसमें राष्ट्र विरोधी षड्यंत्र करने वाले व देश को कमजोर करने वाले अन्य तमाम लोग भी शामिल है। शिकायतकर्ता ने उक्त लोगों द्वारा करोड़ों रुपये का अनुचित लाभ भी कमा कर उससे आतंकवादी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की फन्डिंग किये जाने की आशंका भी जताई है। बता दें कि खान-पान के उत्पादों की गुणवत्ता आदि के प्रमाण पत्र के लिए एफएसएसएआई व आईएसआई जैसी संस्थाओं को अधिकृत किया गया है।

250 से ज्यादा सबूत फिर भी ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट में देरी क्यों? सामने आई बड़ी वजह

वाराणसी की ज्ञानवापी केस में आज का दिन बेहद अहम रहा. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग आज वाराणसी कोर्ट में अपनी सर्वे रिपोर्ट पेश करने वाली थी. इस रिपोर्ट को सील बंद लिफाफे में जिला जज के सामने पेश किया जाना था.

लेकिन एएसआई ने ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वे की रिपोर्ट सौंपने के लिए कोर्ट से 15 दिन का और वक्त मांगा है. इससे पहले 2 नवंबर को भी कोर्ट ने एएसआई को रिपोर्ट के लिए 17 नवंबर तक का वक्त दिया था. तकनीकी रिपोर्ट अभी नहीं आ पाने की वजह से ये देरी हुई है. अब एएसआई ने और वक्त मांगा है. आइए जानते हैं कि,स्ङ्घ की रिपोर्ट में क्या-क्या हो सकता है?

बता दें कि,स्ङ्घ की टीम ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वे पर एक स्टडी रिपोर्ट तैयार की है, जिसे आज सीलबंद लिफाफे में वाराणसी जिला जज के सामने पेश किया जाना है.,स्ङ्घ की टीम ने सर्वे के दौरान जुटाए 250 से ज्यादा सबूतों को डीएम की निगरानी में लॉकर में जमा करा दिया है.

बता दें कि मुस्लिम पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर में,स्ङ्घ सर्वे का विरोध किया था और सर्वे को अतीत के जख्म कुरेदने जैसा बताया था. वहीं, हिंदू पक्ष ने पूरे मामले में सर्वे से ही तार्किक निर्णय लेने को संभव बताया था. हिंदू पक्ष को भरोसा है कि आज कोर्ट में पेश होने वाली सर्वे रिपोर्ट उनके हक में जाएगी.

100 से ज्यादा दिन तक हुआ सर्वे

100 दिन से ज्यादा वक्त तक चले,स्ङ्घ के साइंटिफिक सर्वे के दौरान करीब 40 लोगों की टीम ने सर्वे के लिए कई अत्याधुनिक उपकरणों की मदद ली. सर्वे में थ्री डी फोटोग्राफी और स्कैनिंग के साथ डिजिटल मैपिंग भी करवाई गई है.

ज्ञानवापी मंदिर या मस्जिद?

वाराणसी जिला कोर्ट ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी मस्जिद के सील वजूखाने को छोड़कर बाकी सभी हिस्से और तहखानों के सर्वे का आदेश दिया था. जिसके विरोध में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी थी. सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाते हुए मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट जाने को कहा था. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करते हुए सर्वे जारी रखने के आदेश दिए थे. इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ मुस्लिम पक्ष फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. लेकिन इस बार सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को राहत देने से इनकार कर दिया.ज्ञानवापी परिसर के सर्वे से सच को सामने लाने की कोशिश है. देखना होगा कि,स्ङ्घ की रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट का फैसला हिंदू और मुस्लिम में से किसके पक्ष में जाता है.

अमरनाथ मंदिर पहुंचना हुआ आसान, अब मोटर योग्य सड़क मार्ग से जा सकेंगे

अमरनाथ की यात्रा करना बेहद कठिन माना जाता है। अमर नाथ की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कठिन मार्ग से होते हुए भगवान शिव के बर्फानी रूप के दर्शन होते है। मगर अब श्रद्धालुओं के लिए अमरनाथ पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा।

अमरनाथ पहुंचने के लिए अब श्रद्धालुओं के लिए सीमा सड़क संगठन ने हाल ही में वाहनों का पहला जत्था रवाना किया है। अधिकारियों ने कहा कि पहली बार अमरनाथ गुफा तक वाहन पहुंच गए हैं जहां सीमा सड़क संगठन ने जम्मू-कश्मीर में स्थित इस गुफा मंदिर तक सड़क संपर्क का विस्तार किया है। मंदिर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में ये बेहद अहम कदम है। अधिकारियों ने कहा कि मध्य कश्मीर के गांदेरबल जिले में डुमेल से बालटाल आधार शिविर के रास्ते अमरनाथ गुफा तक सड़क का चौड़ीकरण पूरा हो गया है। आमतौर पर अमरनाथ की यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं को पैदल या खच्चरों की पीठ पर बैठकर यात्रा करनी पड़ती है। वर्ष 2004 में मंदिर के लिए हेलिकॉप्टर सर्विस की शुरुआत भी हो चुकी है, जिसके बाद अब गाड़ियां भी यहां पहुंच सकेंगी।अधिकारी ने कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के जवानों ने बहुत बड़ा काम पूरा किया है और अमरनाथ गुफा मंदिर तक सड़क संपर्क का विस्तार करके इतिहास बना दिया है। अधिकारियों के अनुसार वाहनों का पहला जत्था मंदिर तक पहुंच गया है। बीआरओ को पिछले साल गुफा मंदिर तक जाने वाले दोहरे मार्गों का रख-रखाव करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीआरओ के 'प्रोजेक्ट बीकन' में अमरनाथ यात्रा मार्ग की बहाली और सुधार का काम शामिल है।उमर ने की आलोचना

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को अमरनाथ गुफा मंदिर तक वाहन पहुंचने योग्य सड़क के निर्माण पर सवाल उठाया और कहा कि इस तरह से पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करना अच्छा नहीं है और यह इसे नष्ट करने के समान है। उमर ने कहा कि वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा वर्षों से चल रही है और वहां वाहन ले जाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''कुछ आसान व्यवस्था प्रदान करना एक बात है, लेकिन इस मामले पर दोबारा विचार करने की सख्त जरूरत है। ऐसी जगहों पर वाहन ले जाना उन्हें नष्ट करने के समान है। जब से यात्रा शुरू हुई है, यहां के लोग (अमरनाथ) यात्रियों को अपने कंधों पर उठाकर ले गए हैं, और ऐसा करना जारी रखेंगे। हमारे पर्यावरण के साथ इस तरह से खिलवाड़ करना अच्छा नहीं है।'' उमर ने कहा कि अमरनाथ यात्रा के दौरान कुछ कठिनाइयों का सामना करना आम है। उन्होंने कहा, ''जब हम हज के लिए जाते हैं, तो क्या हम किसी वाहन में तवाफ़ करते हैं। नहीं, हम ऐसा पैदल करते हैं। लोग माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं और कई लोग पैदल जाते हैं तथा वाहनों आदि का इस्तेमाल नहीं करते हैं।'' सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने मध्य कश्मीर के गांदेरबल जिले में बालटाल आधार शिविर होते हुये डुमैल से अमरनाथ गुफा तक सड़क का चौड़ीकरण पूरा कर लिया है ।

छठ पर रद्द की गई शिक्षकों की छुट्टियाँ, बीजेपी ने कहा- तुष्टिकरण में अंधे हो गए हैं नीतीश-तेजस्वी

घटनाओं के एक आश्चर्यजनक मोड़ में, बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने छठ पूजा समारोह से पहले सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों की छुट्टियां रद्द करने का फैसला किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव सीएस केके पाठक द्वारा जारी एक आदेश में 21 नवंबर तक सभी सरकारी स्कूल शिक्षकों की छुट्टियां रद्द करने की घोषणा की गई है। 19-20 नवंबर के बीच छठ पूजा होने के कारण, छुट्टियों में कटौती के फैसले से सरकारी स्कूल के शिक्षकों में असंतोष फैल गया है। यह कदम, हालांकि जाहिरा तौर पर शैक्षणिक संस्थानों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए है, इससे शिक्षण समुदाय के भीतर नाराजगी पैदा हो गई है।

शिक्षक संघ के नेताओं ने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कई शिक्षकों ने इस साल की शुरुआत में सरकार के भर्ती अभियान के बाद छठ उत्सव की योजना बनाई थी। उनका तर्क है कि इस निर्णय से इन नवनियुक्त शिक्षकों को उत्सव के दौरान विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जवाब में, शिक्षक संघ सरकार से पुनर्विचार करने और उत्सव की अवधि के दौरान सभी प्रशिक्षण गतिविधियों को निलंबित करने की अनुमति देने का आग्रह कर रहा है। जिला शिक्षा विभाग ने अपर मुख्य सचिव के आदेश का जवाब देते हुए सभी स्कूल प्राचार्यों को निर्देश जारी किया है। उन्हें 13 नवंबर से 21 नवंबर तक अपने संबंधित संस्थानों में स्कूल कर्मचारियों, विशेष रूप से हेडमास्टरों और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

इस अवधि के दौरान, हेडमास्टरों से विकासात्मक गतिविधियों में संलग्न होने की उम्मीद की जाती है, जबकि शिक्षक अपने स्कूलों में सक्रिय रूप से योगदान देंगे। छठ पूजा के दौरान शिक्षकों की छुट्टियां रद्द करने का यह हालिया निर्णय सितंबर और दिसंबर के बीच सरकारी स्कूलों में छुट्टियों को 23 से घटाकर 11 करने के सरकार के पहले कदम के बाद लिया गया है। वहीं, भाजपा ने इस फैसले पर कहा कि बिहार की संस्कृति को समाप्त करने लिए नीतीश-तेजस्वी सरकार आमदा! बिहार के महापर्व छठ पूजा की छुट्टी की निरस्त। लाखों छठ व्रतियों के श्राप से सनातन को सताने वाले समाप्त हो जाएंगे। भाजपा ने लिखा कि तुष्टिकरण में नीतीश-तेजस्वी हो गए अंधे! बिहार के महापर्व छठ पूजा की छुट्टी कर दी रद्द। आखिर सनातन इन्हें इतनी दिक्कत क्यों है?

दिल्ली में छठ पर्व के दिन शराब की दुकानें बंद रहेंगी

दिल्ली सरकार ने छठ पर्व के अवसर पर रविवार को 'शुष्क दिवस' घोषित किया है और शहर में शराब की दुकानें बंद रखने का आदेश दिया है। आबकारी विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक आदेश में कहा गया कि रविवार को सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) के दिन शुष्क दिवस घोषित किया गया है। ऐसे में शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। छठ दिल्ली में बसे पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के मूल वासियों द्वारा सूर्य की पूजा के लिए मनाया जाने वाला एक प्रमुख पूर्व है। राज्य सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए सूर्य देव की पूजा के वास्ते 900 से अधिक घाट तैयार कराये हैं।

गुजरात: खराब सिग्नल के कारण रुकी ट्रेन के यात्रियों से लूटपाट

गुजरात के खेड़ा जिले में खराब सिग्नल के कारण ट्रेन रुकने पर लुटेरों के एक गिरोह ने यात्रियों से 3.20 लाख रुपये मूल्य का कीमती सामान लूट लिया। रेलवे पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।पश्चिम रेलवे की पुलिस अधीक्षक सरोज कुमारी ने बताया कि यह घटना 14 नवंबर को तड़के हुई। उन्होंने बताया कि रेलवे पुलिस ने अज्ञात बदमाशों को पकड़ने के लिए कई टीम गठित की हैं और यह भी जांच की जा रही है कि ज़्या सिग्नल की खराबी किसी साजिश का नतीजा तो नहीं थी।आणंद रेलवे पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, इंदौर की ओर जा रही गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस 14 नवंबर को तड़के अनघड़ी गांव के बाहरी इलाके में रुकी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''लुटेरों ने खिड़कियों के पास बैठे पांच यात्रियों को निशाना बनाया। डिब्बे में प्रवेश किए बिना, वे जो कुछ भी छीन सकते थे, उसे छीन लिया और अंधेरे में गायब हो गए।'' लुटेरे पीड़ितों से कुल मिलाकर 3.20 लाख रुपये की नकदी, मोबाइल फोन और आभूषण लूटकर ले गए।

डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 को मंजूरी मिली, निजी साइट और एप दायरे में आएंगे

दुनियां के सभी देश आज डिजिटलाइजेशन के दौर में आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं और इंटरनेट सोशल और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से जुड़ने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है इसीलिए सरकारों का कर्तव्य है किश्रोताओं की बढ़ती संख्या को लाभ उठाने और उन्हें इसमें इसकेदुष्परिणामों से बचने के लिए कुछ कानून नियम विनियम इत्यादि बने ।चूंकि इसी कड़ी में भारत सरकार ने दिनांक 10 नवंबर 2023 को केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 को मंजूरी दी है, इसलिए आज हम मीडिया व पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते दौर में उसके दुष्परिणामों से आम नागरिकों को बचाने सरकार का बड़ा कदम,डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 है ।साथियों बात अगर हम केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 को मंजूरी प्रदान करने की करें तो, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने केंद्रीय संचार ब्यूरो को सक्षम और सशक्त बनाने के लिए एक अग्रणी डिजिटल विज्ञापन नीति, 2023 को स्वीकृति दे दी है। केन्द्रीय संचार ब्यूरो डिजिटल मीडिया क्षेत्र में अभियानों का संचालन करने के लिए भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण विज्ञापन विंग है। यह नीति उभरते मीडिया परिदृश्य और मीडिया उपयोग के बढ़ते डिजिटलीकरण के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जानकारी प्रसारित करने एवं जागरूकता जगाने के सीबीसी के मिशन में एक महत्वपूर्ण अभियान को चिह्नित करती है। बता दें कि इससे सरकार की डिजिटल पहुंच तक दायरा बढ़ाने और नागरिकों तक सूचना पहुंचाने के तंत्र में सुधार की सम्भावना है। अभी तक सरकार के सभी मंत्रालय और विभागो के अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल हैं। नई नीति के अमल में आ जाने से इनकी पहुंच भी बढ़ जाएगी। यह नीति सीबीसी को ओटीटी और वीडियो ऑन डिमांड स्पेस में एजेंसियों और संगठनों को सूचीबद्ध करने में सक्षमबनाएगी। सीबीसी, डिजिटल ऑडियो प्लेटफार्मों के पैनल के माध्यम से पॉडकास्ट और डिजिटल ऑडियो प्लेटफार्मों पर श्रोताओं की बढ़ती संख्या का लाभ उठाने में भी सक्षम होगा। इंटरनेट वेबसाइटों को सूचीबद्ध करने की अपनी प्रक्रिया को तर्कसंगत बनाने के अलावा, सीबीसी अब प्रथम बार अपने सार्वजनिक सेवा अभियान संदेशों को मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से भी प्रसारित करने में सक्षम होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सार्वजनिक वार्तालाप के लोकप्रिय चैनलों में से एक बनने के साथ, यह नीति उस प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित करती है जिसके माध्यम से सीबीसी इन प्लेटफार्मों पर सरकारी ग्राहकों के लिए विज्ञापन दे सकता है। यह नीति सीबीसी को विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए डिजिटल मीडिया एजेंसियों को सूचीबद्ध करने का भी अधिकार प्रदान करती है। यह नीति डिजिटल यूनिवर्स में विशाल ग्राहक आधार,डिजिटल विज्ञापनों के माध्यम से प्रौद्योगिकी सक्षम संदेश विकल्पों के साथ मिलकर लक्षित तरीके से नागरिक केंद्रित संदेशों को प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करेगी जिसके परिणाम स्वरूप सार्वजनिक उन्मुख अभियानों में लागत दक्षता भी लाई जा सकेगी। हाल के वर्षों में, दर्शकों के मीडिया उपयोग को देखते हुए इसमें डिजिटल क्षेत्र की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के परिणामस्वरूप, देशभर में इंटरनेट, सोशल और डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों से जुड़ने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है। ट्राई के भारतीय दूरसंचार सेवा प्रदर्शन संकेतक जनवरी-मार्च 2023 के अनुसार, मार्च 2023 तक भारत में इंटरनेट की पहुंच 880 मिलियन से अधिक है और मार्च 2023 तक दूरसंचार ग्राहकों की संख्या 1172 मिलियन से अधिक है।

साथियों बात अगर हम पारदर्शी और दक्षता को सुनिश्चित करने की करें तो, यह नीति डिजिटल परिदृश्य की गतिशील स्थिति को समझते हुए सीबीसी को विधिवत गठित समिति की स्वीकृति के साथ डिजिटल स्पेस में नए और अभिनव संचार प्लेटफार्मों में शामिल होने का अधिकार प्रदान करती है ।सीबीसी की डिजिटल विज्ञापन नीति, 2023, पारदर्शिता और दक्षता को सुनिश्चित करने के साथ लागत के लिए प्रतिस्पर्धी बोली जैसी विशेषता भी प्रदान करती है। इस प्रक्रिया के माध्यम से चिन्हित की गई दरे तीन वर्ष तक वैध रहेंगी और सभी पात्र एजेंसियों पर लागू होंगी। आज के युग में भारत सरकार के लगभग सभी मंत्रालयों/विभागों के पास एक समर्पित सोशल मीडिया हैंडल हैं, जिनके माध्यम से व्यापक स्तर पर इन्फोग्राफिक्स और वीडियो तैयार किए जाते हैं और इनकी पहुंच हैंडल के ग्राहकों तक ही सीमित है। सरकारी मंत्रालयों और विभागों की इस पहुंच को सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाई, केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा सभी प्रकार के मीडिया के माध्यम से विज्ञापन जारी करने के लिए नामित संगठन तक बढ़ाया जाएगा। डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 कई हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई है और यह भारत सरकार की डिजिटल पहुँच को बढ़ाने और नागरिकों तक सूचना-प्रसार में सुधार के प्रारूप की रूपरेखा तैयार करती है। बता दें कि सीबीसी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है और भारत में विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों, योजनाओं और नीतियों के बारे में जागरूकता जगाने और जानकारी प्रसारित करने का दायित्व संभालता है। सीबीसी बदलते मीडिया परिदृश्य को अपनाने और व्यापक दर्शकों तक पहुंच बनाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है ।अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 को मंजूरी मिली ङ्क निजी साइट और एप दायरे में आएंगे ।भारत में इंटरनेट सोशल और डिजिटल मीडिया से जुड़े यूजर्स के लिए डिजिटल विज्ञापन नीति 2023 मील का पत्थर साबित होगी ।डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते दौर में उसके दुष्टपरिणामों से आम नागरिकों को बचाने सरकार का बड़ा कदम है।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर हिसाब होगा बराबर : पीयूष चावला

शमी के लिए अहमदाबाद का विकेट और भी बेहतर

मुरादाबाद के रहने वाले पूर्व क्रिकेटर व कॉमेंट्रेटर पीयूष चावला ने कहा कि भारतीय टीम कंगारुओं से 2003 विश्वकप फाइनल का बदला पूरा करने उतरेगी। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम चैंपियन की तरह खेली है।

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर 2019 का हिसाब बराबर हो गया है। अब भारतीय टीम कंगारुओं से 2003 विश्वकप फाइनल का बदला पूरा करने उतरेगी। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम चैंपियन की तरह खेली है। इसी अंदाज में ऑस्ट्रेलिया को हराकर दादा (सौरव गांगुली) को सम्मान देना चाहिए। ये शब्द विश्वकप में अपनी कमेंट्री से वाहवाही लूट रहे मुरादाबाद के स्टार क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहे। उन्होंने कहा कि दादा की कप्तानी में भारतीय टीम 2003 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।उस समय हमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में 125 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार हमारी टीम इस अध्याय को बदलना चाहेगी। पीयूष ने कहा कि रोहित और गिल अहमदाबाद के मैदान पर एक्स फैक्टर साबित होंगे। जब हिटमैन बेबाक अंदाज से भारत को अच्छी शुरुआत दिलाते हैं तो टीम निश्चित ही बड़ा स्कोर खड़ा करती है। वहीं अहमदाबाद शुभमन गिल का होम ग्राउंड है, वह गुजरात टाइटंस के लिए आईपीएल में इस मैदान पर काफी पसीना

बहा चुके है।शमी को भी यह विकेट रास आता है। जिस रफ्तार से वह चल रहे हैं, फाइनल में उसे जारी रखने की जरूरत है। पीयूष ने कहा कि मैं किसी एक या दो खिलाड़ी का ही नाम नहीं लूंगा बल्कि पूरी टीम शानदार लय में है। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया ने पिछले कुछ मैचों में जो खेल दिखाया है, उसे भांपकर भारतीय टीम ने अच्छा होमवर्क कर लिया होगा। निश्चित ही फाइनल मैच रोमांचक और यादगार होने वाला है। पीयूष ने फिर दोहराया कि किसी एक बिंदु पर यह नहीं कहा जा सकता कि भारतीय टीम को यहां काम करने की जरूरत है। बस किसी की नजर न लगे।

चेस करने वाली टीम ने जीते हैं पांच में से तीन मैचपीयूष ने कहा कि अहमदाबाद की पिच शुरुआती ओवरों में गेंदबाजों को अच्छा उछाल देती है। बाद में यही पिच स्पिनरों के लिए मुफीद हो जाती है। अहमदाबाद में खेले गए पिछले पांच मैचों में से तीन लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने जीते हैं ऐसे में टॉस जीतना कप्तान के लिए अहम साबित होगा। यदि भारत पहले बल्लेबाजी करता है तो शुरुआती ओवर में विकेट बचाकर रन निकालने होंगे।

मोहम्मद शमी के गांव को योगी सरकार ने दिया पांच करोड़ रुपये का तोहफा, नक्शा भी तैयार

अमरोहा। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के गांव सहसपुर अलीनगर में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। इसमें ही ओपन जिम बनेगा। मल्टीपरपज हाल व रनिंग ट्रैक आदि बनाए जाएंगे। जिम्नास्टिक व कुश्ती के लिए भी अलग व्यवस्था होगी।

प्रस्ताव के बाद मिलेगी धनराशि

शनिवार को तहसील व ब्लाक के अधिकारियों ने गांव में पहुंचकर स्टेडियम की जमीन की पैमाइश का कार्य किया।बाकायदा उसका नक्शा भी तैयार कर लिया गया है। अब पूरा प्रस्ताव तैयार कर युवा कल्याण विभाग शासन से धनराशि की मांग करेगा।

चर्चा का केंद्र बना सहसपुर अलीनगर

विश्व कप में शमी का अभी तक प्रदर्शन शानदार रहा है, जिसकी वजह से उनका गांव सहसपुर अलीनगर भी चर्चा का केंद्र बना हुआ है। जनपद के हर शख्स की जुबां पर सिर्फ और सिर्फ शमी की ही चर्चा है और फाइनल मैच को लेकर भी उत्सुकता है। प्रशासन ने उनके गांव में मिनी स्टेडियम बनाने का फैसला किया है।

सीडीओ ने देखी थी 16 बीघा जमीन

बता दें कि बीते दिन सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने गांव का निरीक्षण किया था। इस बीच अधिकारियों ने उनको स्टेडियम के लिए चिह्नित की गई करीब 16 बीघा जमीन दिखाई थी। निरीक्षण के बाद सीडीओ ने मैदान पर अपनी मुहर लगा दी थी। साथ ही अधीनस्थों को जमीन की पैमाइश और तेजी के साथ काम कराने के निर्देश दिए थे।युवा कल्याण विभाग स्टेडियम बनाएगा। इसमें ही ओपन जिम खुलेगा। रनिंग एथलेटिक्स ट्रैक बनेगा। अन्य कार्य भी किए जाएंगे।एक स्टेडियम पर अधिकतम पांच करोड़ रुपये व्यय किए जा सकते हैं। इसलिए इतनी धनराशि का ही प्रस्ताव तैयार कराकर विभाग को सौंपा गया है। युवा कल्याण विभाग उसको शासन भेजकर धनराशि की मांग करेगा।

-अश्वनी कुमार मिश्र, सीडीओ।

काजोल और अजय ने घर पर लिया मैच का मजा, टीम इंडिया के लिए देवगन परिवार ने लगाई जीत की दहाड़

नई दिल्ली। पूरे देश में इंडिया वर्सेज ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप की दीवानगी देखने को मिल रही है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच को देखने और टीम इंडिया को सपोर्ट करने शाह रुख खान से लेकर अनुष्का शर्मा तक, कई सेलेब्स पहुंचे हैं। वहीं, कुछ सितारे ऐसे भी रहे, जो मैच को लाइव तो नहीं देख सके, लेकिन उसका लाइव टेलीकास्ट घर पर जरूर एन्जॉय किया।

देवगन परिवार ने घर पर देखा मैच

अजय देवगन ने कुछ तस्वीरें इस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी फैमिली के साथ टीम इंडिया की जीत के लिए चीयर करते देखे जा सकते हैं। इस फोटों में अजय, काजोल और बेटे युग के साथ ही एक्टर वत्सल सेठ भी नजर आ रहे हैं।

वत्सल ने अजय के साथ टार्जन फिल्म में काम किया था। लिविंग रूम में बैठकर देवगन फैमिली ने इंडिया वर्सेज ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप का मजा लिया। तस्वीर में सभी लोग टीम इंडिया की जर्सी पहने और काफी जोश में नजर आ रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए देवगन की सामूहिक दहाड

इस फोटो को अजय देवगन ने शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, टीम इंडिया के लिए देवगन की सामूहिक दहाड़...ट्रॉफी घर लेकर आओ। सिंघम एक्टर की पोस्ट पर कई तरह के कमेंट आए हैं। फैंस ने भी टीम इंडिया की जीत की उम्मीद जताई है।

कृति खरबंदा ने भी घर पर लिया मैच का मजा

देवगन फैमिली की तरह शादी में जरूर आना एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने भी घर पर मैच का मजा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैच की फोटो शेयर करते हुए टीम इंडिया के लिए अपना सपोर्ट दिखाया है।

थलपति विजय की 'लियो' ने बॉक्स ऑफिस पर काटा बवाल, 32वें दिन कमाई की नहीं रुकी रफ्तार

मुंबई।लियो को रिलीज हुए रविवार को 32 दिन हो चुके हैं।फिल्म हर दिन लागत से ज्यादा कमा रही है। लियो ने महज 16 दिन में ही अपनी फिल्म का बजट क्रॉस कर लिया था। अब फिल्म प्रोफिट पर काम कर रही है। लियो ने अपनी सफलता की शुरुआत ओपनिंग से की कर ली थी।रिलीज के 32 दिनों के अंदर ही लियो ने इंडिया में नेट 339.23 3 करोड़ से अधिक का बिजनेस कर लिया है। अब स्ड्ढष्ठ्ठद्बद्यद्म ने अर्ली ट्रेड के अनुसार 32वें दिन के लियो के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। रविवार को लियो बाकी दिनों की तरह एवरेज कमाई की है।लियो ने 32वें दिन रविवार को ज्यादा अच्छी कमाई नहीं कर पाई है। शाम होते-होते ये आंकड़े कम या ज्यादा भी हो सकते हैं।

सचिन तेंदुलकर फाइनल देखने अहमदाबाद पहुंचे

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मुकाबला दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ। इस मैच को देखने के लिए सचिन तेंदुलकर अहमदाबाद पहुंच गए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज हम वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतेंगे।

क्रिकेट का महाकुंभ अब अपने आखिरी दौर में पहुंच चुका है। डेढ़ महीने से क्रिकेट फैंस जिसका इंतजार कर रहे थे, अब वह घड़ी आ चुकी है।

दर्शकों को पूरा भरोसा है कि वर्ल्ड कप 2023 के लीग चरण की तरह ही फाइनल में भी टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया को हराकर 20 साल पहले का बदला भी चुकता करेगी।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का ये महामुकाबला दुनिया के सबसे बड़े नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर दो बजे से शुरू होगा। इससे पहले 12 बजे से क्लोजिंग सेरेमनी और 1.30 बजे टॉस हुआ। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए सचिन तेंदुलकर भी अहमदाबाद पहुंच चुके हैं।

उम्मीद है की टीम इंडिया आज ट्रॉफी उठाएगी

सचिन तेंदुलकर ने अहमदाबाद के एयरपोर्ट पर एएनआई से बातचीत में कहा कि हर क्रिकेट फैंस को इस दिन का इंतजार था। उम्मीद है कि टीम इंडिया आज यहां मुकाबला जीतकर वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठाएगी। हर कोई इस दिन का इंतजार कर रहा था। बता दें कि रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम अपने सभी 10 मैच जीतकर यहां तक पहुंची है।

भारतीय टीम को सपोर्ट करने पहुंचे पीएम मोदी

बताया जा रहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी टीम इंडिया को सपोर्ट करने अहमदाबाद पहुंच रहे हैं तो ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री भी मैच देखने आ रहे हैं। इनके अलावा भारतीय टीम को सपोर्ट करने कई बड़ी राजनीतिक, बॉलीवुड और खेल हस्तियां अहमदाबाद पहुंच रही हैं।

क्रिकेट फैंस को रोहित शर्मा से बड़ी उम्मीद

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भी क्रिकेट फैंस रोहित शर्मा से दमदार शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं।

इसके साथ ही विराट कोहली के बल्ले से लंबी पारी की भी उम्मीद है। वहीं, एक बार फिर मोहम्मद शमी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की उम्मीद होगी। फैंस चाहेंगे कि टीम इंडिया घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए देश को तीसरी बार विजेता बनाए।

सलमान की टाइगर 3 का 7वें दिन ही औंधेमुंह गिरा कलेक्शन

टाइगर 3 को शनिवार को रिलीज हुए पूरा 1 हफ्ता हो चुका है, ऐसे में फिल्म हर दिन अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दे रही है, पर फिर भी धीरे-धीरे टाइगर 3 का कलेक्शन गिरता जा रहा है, जहां वीकडेज के अलावा वीकेंड पर फिल्म से शानदार कलेक्शन की उम्मीद की जा रही थी। फिल्म ने 18 नवंबर को 7वें दिन सबसे घटिया कलेक्शन किया है। Sacnilk ने अपने अर्ली ट्रेड के अनुसार टाइगर 3 के 7वें दिन के आंकड़े जारी कर दिए हैं ऐसे में फिल्म ने बेहद खराब कलेक्शन किया है।Sacnilk ने शनिवार को टाइगर 3 के बॉक्स ऑफिस के आंकड़े बताए हैं, इससे जाहिर होता है कि सलमान खान का क्रेज कम हो रहा है। टाइगर 3 ने शनिवार 18 नवंबर 7वें दिन केवल 2.26 करोड़ का ही कलेक्शन किया है, पर ये आंकड़े शाम होते-होते ऊपर-नीचे हो सकते हैं अगर ये आंकड़े सच होते हैं तो फिल्म का कुल कलेक्शन 203.35 करोड़ हो जाएगा। बॉक्स ऑफिस पर वीकेंड पर इतना कम कलेक्शन शायद ही किसी ने सोचा होगा, अब रविवार 19 नवंबर का कलेक्शन देखने लायक होगा, पर रविवार को इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का आखिरी मैच खेला जाएगा, इस मैच का भी फिल्म के कलेक्शन पर भारी असर हो सकता है।

सबसे बड़ा हत्यारा है वायु प्रदूषण

(प्रति व्यक्ति घटती औसत उम्र और वजह)

वायु प्रदूषण: 1.8 साल

स्मोकिंग: 1.6 साल

अल्कोहल और ड्रग्स की लत: 11 महीने

गंदा पानी और गंदगी: 7 महीने

सड़क हादसे: 4.5 महीने

एचआईवी: 4 महीने

मलेरिया: 4 महीने

टीबी: 3.5 महीने

आतंकवाद: 22 दिन

स्रोत: AQLI

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने नगर विकास मंत्री से की मुलाकात

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने लखनऊ जाकर अरविन्द कुमार शर्मा नगर विकास मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार,से लखनऊ में उनके कैंप कार्यालय में भेंट कर, कानपुर में, बहुत तेजी से बढ़ रहे, वायु प्रदूषण एवं भूगर्भ जल प्रदूषण तथा जहरीले पेयजल की आपूर्ति पर अविलम्ब अंकुश लगाने हेतु, ऐ.टू.जेड. कम्पनी द्वारा पनकी बाई पास पर बनाये गये कूड़े के डम्प स्थल को अन्य कहीं स्थानान्तरित,आबादी विहीन क्षेत्र में (आगे कुछ किलोमीटर बाईपास पर चलकर आबादी विहीन क्षेत्र है) उसमें किये जाने के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपा।

विधायक ने बताया कि मेरे विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत, कानपुर महानगर के पनकी बाई-पास के किनारे,ऐ.टू.जेड. कम्पनी का कूड़ा डम्प स्थल बनाया गया था और यहाँ पर पूरे महानगर का कूड़ा डम्प किया जाता है। जिसके कारण पनकी के भव सिंह में तथा सरायमीता गांव एवं जमुई गांव एवं बंधुवापुर गांव आदि सहित, आसपास का बहुत बड़े क्षेत्र के लाखों की आबादी,भीषण जहरीले वातावरण में, रहने को मजबूर है। आईआईटी, के वैज्ञानिकों की रिसर्च में भी पाया गया है कि लीचेट (कूड़ा सड़ने के बाद निकल रहा लिक्विड वेस्ट) के कारण आसपास इलाके का भूगर्भ जल लगातार भारी मात्रा में दूषित हो रहा है।

दो पक्षों के बीच जमकर चले लाठी-डंडे

पीडित पक्ष ने दिया पुलिस को प्रार्थनापत्र

कानपुर नगर। नगर के थानाक्षेत्र ककवन के अंतर्गत रहने वाले अनिल उर्फ थापा के साथ ही उसके परिजनों के साथ भी दबंगों द्वारा मार-पीट की गयी। अचानक हुए इस हमले पर दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें चुटहिल पीडित परिवार थाने पहुंचा और पलिस को प्रार्थनापत्र दिया। वहीं बताया जाता है कि इस घटना को लेकर एक वीडियों भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।कानपुर के थानाक्षेत्र ककवन में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले। बताया जाता है कि जब दबगों ने हमला किया था, तब पीडित और उसके परिजन घर पर ही थी। बताया गया कि गांव के ही निवासी पतवल पुत्र रामसेवक के पुत्र नीरज, विकास सहित कुछ अन्य लोगों ने अनिल उर्फ थापा के साथ उसके ही घर में घुसकर मार-पीट की। घटना का एक वीडियों भी सोशल मीडिया में देखा जा रहा है। मामलाथाना ककवन क्षेत्र के कस्बा अभय कॉलोनी का है। वहीं पीडित पक्ष ने थाने में प्रार्थनापत्र दिया है। मामला धान चोरी का बताया जा रहा है, जिसे लेकर ही दोनो पक्षों में मार-पीट हुई है।

भू माफिया लेखपाल की मिली भगत से किसान की जमीन हड़पने का प्रयास

किसान ने जिलाधिकारी से मिलकर कहां कब मिलेगा इंसाफ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी निवासी स्वर्गीय किसान बाबू सिंह के परिवार को अभी तक परिवार को न्याय नहीं मिल रहा लेकिन भूमाफियाओं के इरादे इतनी मजबूत हैं किसान की जमीन को अपनी वसीयत समझते हैं वहीं दूसरी तरफ जगपाल सिंह पुत्र स्व0 राम जीवन कुशवाहा आदि निवासी ग्राम हाजीपुर तहसील सदर, कानपुर नगर के है। प्रार्थीगण की भूमि आराजी स्थित हाजीपुर में आराजी सं0- 435 है। जिसका रकबा / क्षेत्रफल 3. 3200 हे0 है। जिसमें से रवी शंकर कैलाश, छेदी लाल पुत्रगण धनीराम निवासीगण उपरोक्त की लगी हुई भूमि जिसकी आराजी नं0- 129 है। रवी शंकर व उनके सहयोगी

ओम प्रकाश त्रिपाठी पुत्र गुलाब त्रिपाठी, भू-माफिया है। जो बिना नाप जोख के मेरी भूमि पर अवैधानिक रूप से कब्जा करना चाहता है। जबकि चाटबन्दी का मुकदमा उप जिलाधिकारी तहसील सदर कानपुर नगर के यहां पर विचाराधीन है। किसान ने जिलाधिकारी से बताया कि अधिकारियों के यहां चक्कर लगाकर इंसाफ के लिए दरबदर भटक रहे हैं भू माफिया ओमप्रकाश त्रिपाठी पूर्व में लेखपाल की मिली भगत से कई किसानों की जगह पर कब्जा कर चुका है ! जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी !

आधा दर्जन ई-रिक्शा को पकड़कर किया गया सीज

कानपुर। विगत दिनों यातायात विभाग द्वारा दिए गए निर्देश के बावजूद प्रतिबंधित रूटों पर फर्राटा भर रहे ई-रिक्शा को साउथ जोन टीएसआई ने सीज कर दिया। बताते चले शहर भर में ई- रिक्शा की अराजकता को देखते हुए यातायात विभाग ने शहर में जाम की स्थिति न पैदा होने के लिए कुछ दिन पूर्व हाइवे रूटों पर ई-रिक्शा चलन प्रतिबंधित कर दिया।

जिसके बावजूद प्रतिबंधित रूटों पर दौड़ रहे ई-रिक्शा को रोककर आज टीएसआई ने सीज कर दिया। वार्ता में साउथ जोन टीएसआई सत्येंद्र कुमार ने बताया कि बीते कुछ दिनों पूर्व मीडिया के माध्यम से शहर के सभी ई-रिक्शा चालकों को अवगत कराया गया था। जिसके बावजूद प्रतिबंधित रूटों पर चालक ई रिक्शा दौड़ा कर जाम की स्थिति पैदा कर रहे है। जिसे देखते हुए टाटमील चौराहा से अफीमकोठी की ओर जा रहे लगभग आधा दर्जन ई-रिक्शा को पकड़कर सीज किया गया। इसके अलावा अन्य ई-रिक्शा चालको को हिदायत भी दी गई।

विद्याज्ञान आवासीय विद्यालयों में 2024-25 सत्र की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

कानपुर। योगी सरकार प्रदेश में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। इन कार्यक्रमों में सरकारी तंत्र के साथ ही निजी संस्थानों और निजी औद्योगिक समूहों की भी मदद ली जा रही है। इसी क्रम में शिव नाडर फाउंडेशन द्वारा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को निशुल्क आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विद्याज्ञान आवासीय स्कूल शुरू किए गए हैं। सरकार के सहयोग से संचालित इन स्कूलों में 2024-25 सत्र के लिए कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्राथमिक लिखित परीक्षा 3 दिसम्बर 2023 को नियत है।

बुलंदशहर और सीतापुर में हैं आवासीय विद्यालय-

संयुक्त शिक्षा निदेशक (बेसिक) गणेश कुमार द्वारा समस्त मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में पत्र लिखकर अधिक से अधिक छात्रों के नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि शिव नाडर फॉउण्डेशन द्वारा बुलन्दशहर तथा सीतापुर जनपदों में स्थापित विद्याज्ञान आवासीय स्कूलों के माध्यम से गत एक दशक से भी अधिक अवधि से उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के पात्र मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा 6-12 तक की विश्वस्तरीय उत्कृष्ट आवासीय शिक्षा (छात्रावास, भोजन, यूनीफार्म, अकादमिक एवं कम्प्यूटर शिक्षा, शारीरिक विकास हेतु खेलकूद, नेतृत्व विकास) नि:शुल्क प्रदान की जा रही है। विद्याज्ञान द्वारा अब तक 2000 से भी अधिक विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय उत्कृष्ट आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराई जा चुकी है। 3 दिसम्बर 2023 को प्रारम्भिक लिखित परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। 25 नवंबर 2023 तक विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे। परीक्षा को लेकर सभी जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की निर्देश दिए गए हैं।

थाना कोतवाली पुलिस ने एक वारन्टी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर द्वारा चलाये गये वारण्टी अभियान के दृष्टिगत न्यायालय द्वारा जारी वारण्ट थाना कोतवाली कमिश्नरेट-कानपुर नगर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त-अमन मिश्रा पुत्र ज्ञानेन्द्र प्रसाद मिश्रा नि0 बंगाली मोहाल थाना कोतवाली कानपुर नगर नगर को थाना कोतवाली की पुलिस टीम को गिरफ्तार करने में सफलता पाप्त हुई है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।कमिश्नरेट-कानपुर नगर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त- अमन मिश्रा पुत्र ज्ञानेन्द्र प्रसाद मिश्रा नि0 बंगाली मोहाल थाना कोतवाली कानपुर नगर नगर को थाना कोवाली की पुलिस टीम द्वारा को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।अभियुक्त का नाम पता-अमन मिश्रा पुत्र ज्ञानेन्द्र प्रसाद मिश्रा नि0 बंगाली मोहाल थाना कोतवाली कानपुर नगर नगर गिरफ्तार करने वाली टीमप्र0नि0 चन्द्रकान्त मिश्रा थाना कोतवाली उ0नि0 श्री अविसार सिंह थाना कोतवाली, गौरव कुमार थाना कोतवाली !

कांग्रेस ने इन्दिरा गांधी के प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि सभा कर माल्यार्पण किया

कानपुर। शहर काँग्रेस कमेटी कानपुर उत्तर द्वारा देश की पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न इन्दिरा गांधी जयन्ती के पावन अवसर पर मेस्टन रोड स्थित इन्दिरा प्रतिमा स्थल को तिरंगे झंडो व रंग बिरंगे फूलो से भव्य रुप से सजाने के पश्चात शहर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर दत्त मिश्र की अध्यक्षता मे आयोजित पुष्पांजलि सभा मे प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात जबतक सूरज चांद रहेगा इंदिरा जी का नाम रहेगा के गगन भेदी नारो के मध्य पूर्व विधायक भूधर नारायन मिश्र ने कहा कि इंदिरा गांधी भारत की ऐसी महान शक्तिशाली नेता थी जिनके नेतृत्व का लोहा सारी दुनिया ने माना, दुनिया के 136 देशो ने उनके नेतृत्व को स्वीकार कर ''विश्वनेत्री'' का खिताब दिया था। इन्दिरा गांधी का दूरदृष्टि, पक्का इरादा और अनुशासन का सास्वत सिद्धान्त आज भी देश की सर्वांगीण विकास के लिये प्रासंगिक है। पुष्पांजलि सभा को सम्बोधित करते हुये पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी ने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व की क्षमता थी कि अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के सातवें बेड़े की न सिर्फ धज्जियां उड़ा कर रख दी बल्कि एक लाख पाकिस्तानी फौजों का आत्मसमर्पण करा कर पाकिस्तान को दो टुकड़ों मे बांट दिया था और बांग्लादेश का निर्माण करा कर पाकिस्तान की कमर हमेशा के लिए तोड़ कर रख दी थी।

सभा को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मदन मोहन शुक्ल व आलोक मिश्र ने कहा कि इस बात का अंदाजा इसी से लगा सकते है कि इंदिरा जी अपने देश को इतना प्यार करती थीं कि उन्होंने देश के लिए खुद का बलिदान दे दिया पर देश की एकता-अखंडता पर आंच नहीं आने दी।

कार्यक्रम का संयोजन वार्ड अध्यक्ष रामजी दुबे व अमिताभ दत्त मिश्र ने संयुक्त रूप से किया और सभा संचालन आशुतोष शुक्ला ने किया।कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से पवन गुप्ता, नरेश त्रिपाठी, दिलीप शुक्ला, अतहर नईम, लल्लन अवस्थी, विकास सोनकर, डा0 संतोष त्रिपाठी, श्यामदेव सिंह,, रमाकांत मिश्र, चन्द्रमणि मिश्र, ध्रुवनारायन तिवारी, हाजी इम्तियाज रईस, मदन मिश्रा, हाजी अफजाल अहमद, हरीश गुप्ता, जावेद जमील उस्मानी, नीरज द्विवेदी, महेन्द्र सिंह भदौरिया, संजय दीक्षित, मो0 आसिफ, संजय शाह, मेराज अहमद, सुरेश बक्शी, आरके त्रिपाठी, रमेश विद्यार्थी, विनय जायसवाल, विशाल सोनकर, मुन्ना खां, अनिल गुप्ता, पीएल विनोदिया, शांतनु दीक्षित, संजय विनोदिया, रविन्द्र बाजपेई, राजेन्द्र सिंह टिल्लू, हिमांशू मिश्रा, बिपिन तिवारी, प्रमोद गुप्ता, प्रकाश जाटव, ओमप्रकाश वर्मा आदि उपस्थित थे।

किसान मोर्चा ने तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भरी हूंकार

कानपुर। भाजपा किसान मोर्चा क़ानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की कार्यसमिति से पूर्व भाजपा मुख्यालय पर प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा की भाजपा किसान मोर्चा का एक एक कार्यकर्ता 2024 के आम चुनाव मे नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है ।कामेश्वर सिंह ने कहा की भाजपा किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश मे गौ आधारित प्राकृतिक खेती का अभियान चला रही है उन्होंने कहा कि जब से भारत देश में हरित क्रांति का आगमन हुआ है तब से रासायनिक उर्वरक से रासायनिक उर्वरकों हानिकारक कीटनाशकों हाइब्रिड बीजों के अंधाधुंध उपयोग एवं भूजल के अत्यधिक दोहन के फल स्वरुप हमारे खेत उसर हो रहे हैं । जलस्तर तेजी से गिर रहा है खेत का हलवाह किसान मित्र केंचुआ गायब हो गया है इसी लिए

किसान मोर्चा किसानों के बीच जाकर बताएगा कि प्राकृतिक के कृषि में देसी बीज ही प्रयोग करें हाइब्रिड बीजों से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे ।2024 चुनाव के संदर्भ मे कहा कुछ देश विरोधी शक्तियां प्रधानमंत्री मोदी को नाना प्रकार की भ्रांतियां फैलाकर प्रधानमंत्री बनने से रोकना चाहती हैं किसान मोर्चा2024 आम चुनाव तक खेत खलिहान से लेकर किसानों के घर-घर तक संपर्क संवाद अभियान चला कर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नकारात्मक विषयों को उजागर करेगा यह चुनाव हमारी राष्ट्रीय अस्मिता को बचाएं रखने का चुनाव है देश यह चुनाव देश में दंगाइयों को खत्म करने का भी चुनाव है हर बूथ पर 50 प्रतिशत मत बीजेपी को पड़े उसके लिए किसान मोर्चा वृहत कार्य योजना तैयार कर चुका है । क्षेत्रीय कार्यसमिति का शुभारंभ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया ।कार्यसमिति कि अध्यक्षता किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला व संचालन क्षेत्रीय महामंत्री विकास भदौरिया ने किया कार्यसमिति मे तय किया गया कि भाजपा किसान मोर्चा क़ानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जिलों मे नमो कबड्डी का आयोजन किया जाएगा ।यह आयोजन 25 नवम्बर से 3 दिसंबर तक चलेगा कार्य समिति को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ग्रामीण खेलों में युवा प्रतिभाओं को निखरने एवं उन्हें राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है और यही कारण है भाजपा का नेतृत्व कबड्डी जैसे आयोजन कराकर जहां ग्रामीण खेलों को मजबूत किया जा रहा है वही कब्बडी के माध्यम से सामाजिक समरसता को भी प्रदर्शित किया जा रहा है । कार्यसमिति मे यह भी तय किया गया कि 27 नवम्बर को भाजपा किसान मोर्चा पुरा दिन प्रत्येक ग्राम सभा में पहुंचकर वोटर चेतना अभियान के अंतर्गत युवा किसानों को मतदाता बनाने के लिए कार्य करेगी ।

सर्दियों में मत्स्य पालक तालाबों की करें विशेष देखभाल : डॉ. शशि कांत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने सर्दियों में मत्स्य पालक तालाबों की करें विशेष देखभाल विषय पर एडवाइजरी जारी की है उन्होंने विश्व मत्स्य दिवस 21 नवंबर से पूर्व मत्स्य पालकों के लिए एडवाइज जारी करते हुए बताया है कि वर्तमान समय सर्दी का है। मछली पालन के लिए यह समय बहुत ही कठोर होता है। इस समय मछलियों की नवंबर, दिसंबर , जनवरी के महीनों में वृद्धि कम हो जाती है साथ ही साथ मछलियां काफी सुस्त हो जाती हैं। तालाबों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। जिससे मछलियों की मृत्यु दर बढ़ जाती है। इन सभी कारणों को ध्यान में रखते हुए मत्स्य पालकों को तालाबों में ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था करने हेतु एरिएटर का प्रयोग करना चाहिए। यदि एरिएटर संभव न हो सके तब तालाब में प्रत्येक माह एक या दो बार पूरे तालाब के पानी का एक चौथाई पानी बदल कर ताजा पानी भर दें जिससे पानी में ऑक्सीजन स्तर बढ़ जाता है।साथ ही साथ मत्स्य पालकों को ध्यान रखना चाहिए कि सर्दियों में मछलियां को आहार की मात्रा भी कम दें। इन बातों का ध्यान रखते हुए मत्स्य पालक सर्दी में भी अपने तालाब की मछलियों को अच्छी वृद्धि करा सकते हैं और रोगों से भी बचा सकते हैं ।

विश्व मत्स्य दिवस के बारे में बताते हुए डॉ0 शशिकांत ने बताया कि मत्स्य पालन क्षेत्र को एक उभरता हुआ क्षेत्र माना जाता है और इसमें समाज के कमजोर वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण समाज और समावेशी विकास लाने की अपार संभावनाएं हैं। भारत वैश्विक मछली उत्पादन में 8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक, दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि उत्पादक , सबसे बड़ा झींगा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य निर्यातक है । उन्होंने बताया कि भारतीय मत्स्य पालन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग का यह प्रयास रहा है न केवल 22 एमएमटी मछली उत्पादन के पीएमएमएसवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रगति को बनाए रखा जाए , बल्कि वित्तीय वर्ष 2024 - 25 तक एक लाख करोड़ रुपए का निर्यात भी किया जा सके । यह क्षेत्र देश में तीन करोड़ मछुआरों और मछली पालकों को रूप से आय एवं आजीविका प्रदान करने मे मुख्य भूमिका निभा रहा है ।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।